सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 307 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 20 अगस्त 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

सीपी राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति पद के लिए किया नामांकन, पीएम मोदी बने प्रस्तावक

नईदिल्ली। पराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। इस दौरान उनके साथ पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के साथ-साथ भाजपा और एनडीए के तमाम नेता भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने रिटर्निंग ऑफिसर को नामांकन पत्रों के 4 सेट सौंपे हैं। नामांकन पत्रों के इन चार सेटों में पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और जदयू नेता राजीव रंजन सिंह मुख्य प्रस्तावक हैं।

बता दें तमिलनाडु में जन्मे सीपी राधाकृष्णन गाउंडर- कोंगु वेल्लालर यानी ओबीसी समुदाय से आते हैं। वे तमिलनाडु से उपराष्ट्रपति बनने वाले वे तीसरे नेता होंगे। वे 1998 में पहली बार सांसद चुने गए और 2023 में बने झारखंड के राज्यपाल बने। 67 वर्षीय सीपी राधाकृष्णन वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। झारखंड की जिम्मेदारी संभालते हुए राधाकृष्णन ने तेलंगाना का राज्यपाल और पुडुचेरी का उपराज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला था। सीपी राधाकृष्णन ने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक की पढ़ाई की है।

कॉल में बहस फिर सुसाइड की कोशिश, युवती ने काटी हथेली

कोरबा। शहर के मिशन रोड स्थित श्याम मंदिर के पास युवती ने कॉल पर बातचीत करने के बाद अपनी हाथ की नसे काट ली। एटीएम के बाहर खड़े होकर युवती खाफी देर तक मोबाइल पर बातचीत करते हुए इधर-उधर घूम रही थी। अचनाक उसने पास रखे ब्लेड को निकालकर हाथ पर 21 बार वार किए, जिसके बाद वह बेहोश होकर गिर गई। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, कोतवाली थाना क्षेत्र का यह पूरा मामला है। यहां एक युवती श्याम मंदिर के पास एटीएम पर थी। युवती काफी समय से मोबाइल में बात करते हुए इधर-उधर घूम रही थी। अचानक से उसे गुस्सा आया और उसने ब्लैड लेकर अपने दाएं हाथ में एक नहीं बल्कि 21 बार वार करते हुए हाथ की नस काटने की कोशिश की। इसके बाद लड़की बेहोश होकर गिर पड़ी। राहगीरों की 112 को सूचना दी, जिसके बाद युवती को अस्पताल भर्ती कराया गया।

राजधानी रायपुर में भारी बारिश का अलर्ट

रायपुर। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में मौसम का मिजाज बदल गया है। मंगलवार को दिन और रात में बारिश होने के बाद बुधवार की सुबह भी बारिश हो रही है। मौसम के करवट लेने से लोगों ने राहत की सांस ली है। ऐसा इसलिए क्योंकि, बारिश नहीं होने के चलते लोगों को भीषण गर्मी और उमस का सामना करना पड़ रहा था। बुधवार की सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आ रहा है। राजधानी रायपुर समेत आस-पास के इलाकों में सुबह से ही बारिश हो रही है। मंगलवार से हो रही बारिश के बीच मौसम विभाग ने प्रदेश के अलग-अलग जिलों में भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया है।

साय कैबिनेट का विस्तार: तीन मंत्रियों ने ली शपथ, 14 हुई छत्तीसगढ़ में मंत्रियों की संख्या

दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव, आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब व अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल बने मंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार के मंत्रीमंडल में तीन नए मंत्री जुड़ गए हैं। बुधवार को राजभवन के छत्तीसगढ़ मंडपम में सुबह 10:30 बजे राज्यपाल रमेन डेका ने तीन मंत्रियों को शपथ दिलाई। नए मंत्रियों में दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव, अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल व आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब शामिल हैं। फिलहाल तीनों मंत्रियों के विभागों का बंटवारा नहीं हुआ है। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह सहित मंत्रीमंडल के सदस्य उपस्थित रहे।

बता दें छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के 20 माह बाद साय कैबिनेट पूरा हो पाया है। सरकार बनने के बाद सीएम साय के साथ कुल 11 मंत्रियों ने शपथ ग्रहण लिया था। 13 मंत्रियों के फॉर्मूले पर तक एक मंत्रीपद खाली था। इस बीच लोकसभा चुनाव में रायपुर से बृजमोहन अग्रवाल ने चुनाव जीता और उन्होंने मंत्रीपद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद दो मंत्रियों की जगह खाली हो गई। पिछले 6 माह से नए मंत्रियों की घोषणा काइंतजार होता रहा। इस बीच हरियाणा की तरह 14 मंत्रियों के फॉर्मूले पर सहमति बनी। इस तरह तीन मंत्रियों की जगह खाली हुई। लंबे इंतजार के बाद अब जाकर तीन नए मंत्रियों की घोषणा हुई है। बुधवार को तीनों नए मंत्रियों ने शपथ ग्रहण किया और इसी के साथ साय सरकार का मंत्रीमंडल भी पूरा हो गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी गजेंद्र यादव, गुरु खुशवंत साहेब एवं राजेश अग्रवाल को शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को शपथ ग्रहण करने वाले कैबिनेट के नए सदस्य गजेंद्र यादव, गुरु खुशवंत साहेब तथा राजेश अग्रवाल को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि नवनियुक्त मंत्रीगण अपनी समर्पित निष्ठा और कार्यकुशलता के साथ जनसेवा के लिए पूर्ण तत्परता से कार्य करेंगे तथा छत्तीसगढ़ राज्य को विकास और सुशासन की दिशा में नए आयाम प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री साय ने सभी मंत्रियों के उज्ज्वल कार्यकाल की मंगलकामना करते हुए कहा कि राज्य सरकार सामूहिक सहयोग और प्रतिबद्धता के बल पर जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगी।

नए मंत्रियों के बारे में जानिए

गजेन्द्र यादव : दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव की पृष्ठभूमि आरएसएस से जुड़ी हुई है। इनके पिता बिसरा राम यादव छत्तीसगढ़ प्रांत के संघचालक रह चुके हैं। गजेन्द्र यादव 2 बार भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री रह चुके हैं। 1999 से 2004 तक नगर निगम दुर्ग में पार्षद की जिम्मेदारी निभाने वाले गजेन्द्र यादव ने 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के अरूण वोरा को हराया था। आरएसएस से एक मंत्री की कवायद की जा रही थी जो गजेन्द्र यादव के साथ पूरी हो गई।

राजेश अग्रवाल : अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल पूर्व के कांग्रेस के कद्दावर नेता माने जाते थे। 2024 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के सीनियर लीडर व तात्कालीन उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को राजेश अग्रवाल ने इस चुनाव में हरा दिया। बृजमोहन अग्रवाल के सांसद बनने के बाद साय केबिनेट में अग्रवाल समाज से कोई नहीं था ऐसे में अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल की दावेदारी मजबूत हुई।

गुरु खुशवंत साहेब : आरंग से विधायक गुरु खुशवंत साहेब, सतनामी समाज के गुरु बालदास के बेटे और समाज के गुरु हैं। वे सतनामी समाज के प्रमुख धार्मिक केंद्र भंडारपुरी गुरु गद्दी के उत्तराधिकारी भी हैं। अनुसूचित जाति की सीटों के समीकरण को ध्यान में रखते हुए गुरु को साय सरकार ने अपने मंत्रीमंडल में शामिल किया है। गुरु खुशवंत साहेब ने 2024 के विधानसभा चुनाव में आरंग से कांग्रेस के दिग्गज नेता व तात्कालीन नगरीय निकाय मंत्री रहे शिव डहरिया को हराया था।

मौजूदा मंत्रियों में फेरबदल नहीं

तीन नए मंत्रियों के शपथ लेने के बाद माना जा रहा था कि पुराने मंत्रियों के विभागों में फेरबदल किया जा सकता है लेकिन ऐसा होता दिख नहीं रहा है। फिलहाल संगठन के सूत्रों से पता चला है कि मौजूदा मंत्रियों के विभाग या पद में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। इसका मतलब है कि वर्तमान टीम से किसी को बाहर नहीं किया जाएगा।

रायपुर में पदोन्नत प्राचार्यों की ऑनलाइन काउंसिलिंग शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुशासन की सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। आज से राजधानी रायपुर स्थित शासकीय शिक्षा महाविद्यालय परिसर, शंकर नगर में पदोन्नत प्राचार्यों के लिए ऑनलाइन ओपन काउंसिलिंग की शुरुआत हो गई है। इस प्रक्रिया में कुल 845 नव पदोन्नत प्राचार्य शामिल होंगे।

संचालक लोक शिक्षण ऋतुराज रघुवंशी और शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति और मार्गदर्शन में काउंसिलिंग 20 अगस्त से 23 अगस्त 2025 तक प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से आयोजित होगी। प्रत्येक दिन दो पालियों में क्रमशः 150-150 प्राचार्यों को शामिल किया जाएगा। पदोन्नति आदेश एवं रिक्त पदों की सूची पूर्व में ही स्कूल शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है, जिससे चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं सुगम हो।

काउंसिलिंग हेतु वेटिंग हॉल और काउंसिलिंग कक्ष निर्धारित कर दिए गए हैं, जहाँ केवल अभ्यर्थियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। सभी पदोन्नत प्राचार्यों को अपने सेवा प्रमाण पत्र और मान्य फेटोयुक्त पहचान पत्र अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने होंगे। काउंसिलिंग में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों को अंतिम दिन 23 अगस्त को अवसर दिया जाएगा।

जन सुनवाई के दौरान दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता पर हमला

नईदिल्ली। साप्ताहिक जन सुनवाई के दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर वहां पहुंचे एक शख्स ने हमला कर दिया है। सीएम हाउस में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जनसुनवाई कर रहीं थीं इसी दौरान 35 साल के एक शख्स ने हमला किया। घटना के बाद पुलिस ने तत्काल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसे सिविल लाइंस थाने ले जाया गया है।

घटना की एक चश्मदीद ने बताया कि ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए। जनसुनवाई एक सार्वजनिक कार्यक्रम होता है और सभी को आने का अधिकार है। इस बीच कोई हमला कर दे तो यह गलत है। चश्मदीद ने बताया कि घटना के समय वह वहीं पर थी और वहां पहुंचे शख्स ने एक कागज दिया और अचानक थप्पड़ मार दिया। घटना के बाद दिल्ली पुलिस ने आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर लिया और सिविल लाइंस थाने ले गई।

भाजपा ने हमले की निंदा की

भाजपा ने बताया कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर गुरुवार सुबह सिविल लाइंस स्थित उनके सरकारी आवास पर आयोजित 'जन सुनवाई' कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर हमला हुआ। इस पूरी घटना की भारतीय जनता पार्टी ने निंदा की है।दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हमले की कड़ी निंदा की।

यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है : देवेंद्र यादव

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर मुख्यमंत्री आवास पर जनसुनवाई के दौरान हुए हमले पर दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। मुख्यमंत्री पूरी दिल्ली का नेतृत्व करती हैं और मुझे लगता है कि ऐसी घटनाओं की जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। लेकिन यह घटना महिला सुरक्षा की पोल भी खोलती है। अगर दिल्ली की मुख्यमंत्री ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम आदमी या आम महिला कैसे सुरक्षित रह सकती है?

छत्तीसगढ़ सरकार ने बढ़ाया महंगाई भत्ता, अब केन्द्र के बराबर 55 प्रतिशत मिलेगा डीए

मुख्यमंत्री साय की घोषणा : अधिकारी व कर्मचारियों की जेब होगी भारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के लाखों कर्मचारियों और अधिकारियों को बड़ी राहत दी है। मुख्यमंत्री ने महंगाई भत्ता (डीए) में 2 प्रतिशत की वृद्धि का एलान किया है। इस बढ़ोतरी के बाद अब प्रदेश के कर्मचारियों को 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा, जो केंद्र सरकार के बराबर होगा। अब राज्य कर्मचारियों को महंगाई भत्ते में वही लाभ मिलेगा जो केंद्र सरकार के कर्मचारियों को दिया जा रहा है। इससे प्रदेश के कर्मचारियों और अधिकारियों में उत्साह का माहौल है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि भारत सरकार में डीए 55 प्रतिशत मिल रहा है। छत्तीसगढ़ में हम डीए 53 प्रतिशत दे रहे हैं। आने वाले समय में दीवाली का भी त्योहार है। हम लोग भी अब राज्य के कर्मचारियों को 55त्न महंगाई भत्ता देने की घोषणा कर रहे हैं।महंगाई की मार झेल रहे कर्मचारियों के लिए यह निर्णय बड़ी राहत लेकर आया है। माना जा रहा है कि महंगाई भत्ते में हुई यह वृद्धि सीधे कर्मचारियों की आय को प्रभावित करेगी और त्योहारी सीजन में उनकी जेब थोड़ी और मजबूत होगी।

सरकार ने अधिकारी-कर्मचारियों को खुश कर दिया

बजट के दौरान राज्य के शासकीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी करके 53 प्रतिशत किया गया था, जिसे अब बढ़ाकर 55 प्रतिशत कर दिया गया है। आपको बता दें अभी केंद्रीय कर्मचारियों को 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा है। हालांकि अगले महीने से महंगाई भत्ता में और भी बढ़ोतरी होने वाली है। केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ता में वृद्धि से पहले ही राज्य सरकार ने केंद्र के बराबर डीए बढ़ाकर सरकारी कर्मियों को खुश कर दिया है।

प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा असर

राज्य सरकार के इस फैसले से सवा तीन लाख कर्मचारियों को फायदा पहुंचेगा। वित्त विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम न केवल कर्मचारियों की क्रय शक्ति बढ़ाएगा, बल्कि प्रदेश की आर्थिकी पर भी सकारात्मक असर डालेगा। बता दें कि पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान सरकारी कर्मचारियों ने डीए बढ़ाने को लेकर कई दिनों तक हड़ताल किया था। वहीं विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने केंद्र सरकार के बराबर महंगाई भत्ता देने का वादा किया था, जिसे अब पूरा किया गया है।

गली, मोहल्ला और सड़कें इंसानों के लिए हैं

श्रीकंचनपथ

गली, मोहल्ला और सड़कें इंसानों के लिए बनाई जाती हैं। इनका खर्च भी वही वहन करते हैं। इसलिए यह शासन की जिम्मेदारी बनती है कि इसे इंसानों के लिए सुरक्षित बनाया जाए। यह जिम्मेदारी स्थानीय निकायों की होती है। ये निकाय वर्तमान में केवल राजनीति का अखाड़ा बने हुए हैं। मूर्तियां लगाने, सड़कों-पुल पुलिया का नामकरण और शिलान्यास करने के अलावा ये निकाय अपने आकाओं के लिए धन जुटाने का काम करते हैं। सड़कों से गाय-भैंस अथवा कुत्तों को हटाना कभी भी इनकी प्राथमिकता सूची में नहीं रहा। इस काम के लिए फंड्स भी समय-समय पर मिलते रहे पर ईमानदारी से काम कभी नहीं हुआ। कुत्तों को पकड़ना और उनकी नसबंदी करना, जैसे कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही दम तोड़ते रहे। दरअसल, फेमिनिज्म की तरह एनिमल लवर होना भी एक फैशन की तरह है। अर्थात आपको विषय की जानकारी हो न हो, झण्डा आपको उठाना है। राहुल और प्रियंका ने भी ऐसा ही किया। सुप्रीम कोर्ट ने जैसे ही दिल्ली-एनसीआर के आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में भेजे जाने का निर्देश दिया भाई-बहन ने विरोध दर्ज करा दिया। आवारा कुत्तों पर मेनका गांधी का दर्द भी छलका। पशु अधिकार कार्यकर्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की कड़ी आलोचना करते हुए इसे आर्थिक रूप से अव्यावहारिक और क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन के लिए हानिकारक करार दिया है। मेनका ने कहा, दिल्ली में तीन लाख आवारा कुत्ते हैं। ज्यादा कुत्तों को एक साथ नहीं रखा जा सकता। उनको सड़कों से हटाने के लिए दिल्ली सरकार को लगभग दो हजार शेल्टर होम बनाने होंगे। इसके लिए जमीन तलाशनी होगी। इस पर 4-5 करोड़ के करीब का खर्च आएगा। हर सेंटर में केयरटेकर, खाना बनाने वाले और खिलाने वाले, और चौकीदार की व्यवस्था करनी होगी। कांग्रेस के मुखर नेता शशि थरूर ने इससे भिन्न व्यावहारिक राय दी है। तिरुवनंतपुरम सांसद शशि थरूर ने आवारा कुत्तों की समस्या से आम लोगों को छुटकारा दिलाने के लिए कुछ विकल्प सुझाने की कोशिश की है। उन्होंने एक्स पर लिखा, हमें कुत्तों के प्रति मानवीय बर्ताव करते हुए इंसानों की रक्षा करनी होगी। उन्होंने लिखा, सिस्टम में दोष संसाधनों की कमी की वजह से नहीं है, बल्कि नगरपालिकाओं की अनिच्छा या नाकामी है जो वे आवारा कुत्तों को पकड़ने और नसबंदी नहीं कर पातीं, चाहे उन्हें फंड उपलब्ध करवाए गए हों। इस फंड का युक्तिसंगत उपयोग नहीं हो पाता। उन्होंने सुझाव दिया कि इस फंड को एनिमल वेलफेयर ग्रुप और अपने काम के प्रति ईमानदार एनजीओ को दिया जाना चाहिए, जिनका जानवरों को संरक्षण देने में अच्छा ट्रैक रिकॉर्ड हो। संभवतः ये लोग नगरपालिकाओं की तुलना में एबीसी प्रोग्राम को ज्यादा अच्छे से लागू कर पाएं। भिलाई में भी अंजलि सिंह की एक छोटी सी संस्था छत्तीसगढ़ एनिमल सेवियर सोसायटी अपने व्यक्तिगत साधनों से आवारा घायल पशुओं की मदद करती है। ऐसी संस्थाओं पर भरोसा किया जाना चाहिए।

संपादकीय

असहमति को दबाना अच्छा संकेत नहीं

असहमति को दबाना अच्छा संकेत नहीं है। इससे वे शक और गहरे होंगे, जिन्हें बताने के लिए विपक्षी सांसद निर्वाचन भवन तक जाना चाहते थे या जिसे जताने के लिए वे संसद में बहस की मांग कर रहे हैं। अगर 25 विपक्षी दलों के तकरीबन 300 सांसद अपनी शिकायतें बताने के लिए निर्वाचन आयोग के पास जाना चाहते थे, उन्हें बीच में रोकना किसी रूप में लोकतांत्रिक कदम नहीं कहा जा सकता। गौरतलब है कि ये सभी निर्वाचित सांसद हैं, जो देश के एक बड़े जनमत का प्रतिनिधित्व करते है।

> **संसद भवन से शुरू हुआ मार्च किसी ऐसे समूह का नहीं था, जिसके अनियंत्रित हो जाने और जिससे कानून-व्यवस्था की समस्या खड़ी होने का अंदेशा होता। लेकिन केंद्र और निर्वाचन आयोग ने जो नजरिया अपनाया, उससे लगता है कि वे विपक्ष को चुनाव प्रक्रिया में वैध स्टेकहोल्डर (हितधारक) नहीं मानते। वे उनकी बातों या शिकायतों को सुनने योग्य भी नहीं समझते! वरना, बिहार में मतदाता सूची के हुए विशेष गहन पुनरीक्षण मामले में संसद में बहस की मांग केंद्र नहीं ठुकराता और निर्वाचन आयोग निष्पक्ष संवैधानिक संस्था के रूप में व्यवहार करने के बजाय विपक्षी दलों के प्रति हिकारत भरा रुख नहीं अपनाता।**

इसी नजरिए का संकेत है कि सोमवार को एक तरफ निर्वाचन आयोग ने सांसदों के प्रतिनिधिमंडल से मिलने के मामले में तकनीकी रुख अपनाया, तो दूसरी तरफ प्रशासन ने बैरिकेडिंग करके और सांसदों को हिरासत में लेकर एक तरह के दमनकारी रुख का परिचय दिया। मुद्दा यह है कि देश की राजधानी में अगर निर्वाचित सांसदों को प्रदर्शन करने की इजाजत नहीं है, तो फिर आम नागरिक अपने लिए क्या अपेक्षा रख सकते हैं? स्पष्टत: असहमति के स्वर को दबाना भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

इससे वे शक और गहरे होंगे, जिन्हें बताने के लिए विपक्षी सांसद निर्वाचन भवन तक जाना चाहते थे या जिसे जताने के लिए वे संसद में इस मुद्दे पर बहस की मांग कर रहे हैं। सत्ता पक्ष एवं संवैधानिक संस्थाओं का यह दायित्व होता है कि वे ऐसे संदेहों के निवारण के लिए विश्वसनीय कदम तुरंत उठाएं। इसकी शुरुआत विपक्ष के साथ संवाद बना कर की जा सकती है, जिसका एक मौका सोमवार को निर्वाचन आयोग के पास था। लेकिन विपक्षी प्रदर्शन के प्रति सख्त और हिकारत भरा रुख अपना कर उसने यह मौका गंवा दिया है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

विकसित भारत के लिए मोदी के सुधारों का ब्रह्मास्त्र

हरदीप एस पुरी, केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री

मुझे अपने स्कूल के दिनों से ही 15 अगस्त के भाषणों में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त होता रहा है, लेकिन शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी का 12वें स्वतंत्रता दिवस का भाषण अभूतपूर्व और असाधारण था। इसमें विकसित भारत के पथ पर भारत की गति बढ़ाने के दिशा में सीधे तौर पर लक्षित-ब्रह्मास्त्र- अर्जुन का अकाट्य पौराणिक अस्त्रे - छोड़ा गया।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्याप्त असामान्यअ उथल-पुथल के दौर के बीच, विकसित भारत का सपना संजोए भारत सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में निरंतर आगे बढ़ना जारी रखे हुए है। यह भाषण केवल अपनी व्यापकता के लिए ही नहीं, बल्कि अपने दायरे-साहसिक, भविष्योन्मुखी और 1.4 बिलियन लोगों के भाग्य को नया आकार देने में सक्षम अगली पीढ़ी के सुधारों -और उस विजन के प्रति स्पष्टता के लिए भी उल्लेखनीय है, जिसका यह राष्ट्र इससे पहले कभी साक्षी नहीं रहा।

उदाहरण के लिए, डिजिटल इंडिया स्टैक को ही लें, यूपीआई दुनिया के आधे रीयल-टाइम लेनदेन के लिए उत्तिरदायी है और साल के अंत तक होने वाला, पहली मेड-इन-इंडिया चिप का लॉन्च , वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की अग्रणी स्थिति को दर्शाता है। ऐसे समय में जब राष्ट्रों की नियति सेमीकंडक्टर निर्धारित करते हैं, महत्वपूर्ण तकनीकों पर संप्रभुता का भारत का यह दावा किसी डिजिटल स्वराज से कम नहीं है।

ऊर्जा सुरक्षा लंबे समय से भारत के विकास की राह की सबसे बड़ी कमज़ोरी रही है। दशकों तक, झिझक और नो गो क्षेत्रों ने अन्वेषण को बाधित किया और आयात पर निर्भरता बढ़ा दी। वह दौर अब बीत चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने ईईजेड में नो गो क्षेत्रों को लगभग 99% तक कम कर दिया है, जिससे 10 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र ईएंडपी के लिए मुक्त हो गया है। ओएएलपी के साथ, इसने भारतीय और वैश्विक दिग्गजों, दोनों के लिए समान रूप से एक विशाल क्षेत्र खोल दिया है-हमारे हाइड्रोकार्बन बेसिन अब निष्क्रिय नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय प्रगति के लिए उपयोग में लाए जाएँगे।

लाल किले की प्राचीर से घोषित ऐतिहासिक राष्ट्रीय गहरे जल अन्वेषण मिशन, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में एक महत्वाकांक्षी दूरदर्शी एजेंडा निर्धारित करता है। इस मिशन का लक्ष्य लगभग 40 वाइल्डकैट कुओं की ड्रिलिंग के माध्यम से 600-1200 मिलियन मीट्रिक टन तेल और गैस भंडारों का पता लगाना है। पहली बार, बंगाल की खाड़ी से लेकर अरब सागर तक भारत अपनी जटिल अपतटीय सीमाओं को व्यवस्थित रूप से खोलेगा, एक ऐसे ढाँचे के साथ जो सूखे कुओं की स्थिति में 80 प्रतिशत तक और व्यावसायिक खोज पर 40 प्रतिशत तक लागत की वसूली की अनुमति देकर निवेश के जोखिम को कम करता है।

यह पहल एक व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसके तहत 2032 तक घरेलू तेल और गैस उत्पादन को तिगुना बढ़ाकर 85 मिलियन टन और राष्ट्रीय भंडार को दोगुना करके एक से दो बिलियन टन के बीच किया जा सकता है। लगभग 8 मिलियन टन उत्पादन के बराबर, अतिरिक्त 100-250 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस उपलब्ध कराने के लिए प्लग-एंड-प्ले आधार पर अपतटीय साझा बुनियादी ढाँचा बनाया जाएगा। ये सभी उपाय न केवल पहले से अटकी हुई खोजों का मुद्रीकरण करेंगे, बल्कि एक आत्मनिर्भर ईएंडपी इकोसिस्टम का निर्माण भी करेंगे, जहाँ स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं की हिस्सेदारी आज के 25-30 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी। यह आजादी के बाद से भारत का सबसे व्यापक अपस्ट्रीम सुधार है।

साथ ही, ऊर्जा परिवर्तन के क्षेत्र में भारत वैश्विक स्तमर पर अग्रणी बनकर उभरा है। भारत 2030 के लक्ष्य से पाँच साल पहले ही 2025 तक 50% स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य तक पहुँच गया है। जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन प्रायोगिक स्तर से उत्पादन की ओर बढ़ रहे हैं; इथेनॉल मिश्रण और सीबीजी स्केल-अप एक नए ग्रामीण-औद्योगिक आधार का निर्माण कर रहे हैं; एलएनजी के बुनियादी ढाँचे का विस्तार जारी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि असैन्य परमाणु ऊर्जा को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया गया है। वर्तमान में, 10 नए परमाणु रिएक्टर चालू हैं, और भारत का लक्ष्य अपनी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को दस गुना बढ़ाना है। यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2047 तक ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करने की भव्य योजना का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन की घोषणा हमारी औद्योगिक रणनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। ऐसे समय में जब दुनिया लिथियम, दुर्लभ मृदा तत्व, निकल और कोबाल्ट के सामरिक महत्व को पहचान रही है, भारत ने 1,200 से अधिक स्थलों पर अन्वेषण शुरू किया है और साझेदारी, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण का ढाँचा तैयार कर रहा है ताकि नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, ईवी और उन्नत रक्षा क्षेत्र कभी भी बाहरी अवरोधों के अधीन न रहें।

राष्ट्रीय सुरक्षा लाल किला चार्टर का एक अन्य, स्तंभ था। ऑपरेशन सिंदूर ने परमाणु ब्लैकमेल के युग का अंत करते हुए वास्तविक समय में भारत की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया और यह संदेश दिया कि आक्रमण का जवाब तेजी और कुशलता से दिया जाएगा। सिंधु जल संधि को स्थेगित करना संप्रभुता का साहसिक दावा है। सबसे बढ़कर, मिशन सुदर्शन चक्र का अनावरण, युद्धभूमि में भगवान श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन की रक्षा से प्रेरित है, जो मोदी की शैली-सभ्यतागत प्रतीकवाद के अत्याधुनिक तकनीक से मेल का प्रतीक है।

एक बहुस्तरीय स्वदेशी सुरक्षा कवच भारत के महत्वपूर्ण संस्थानों की साइबर, भौतिक और हाइब्रिड खतरों से रक्षा करेगा। प्रधानमंत्री ने हमारे लड़ाकू विमानों को शक्ति प्रदान करने वाले इंजनों के डिजाइन और निर्माण के लिए एक राष्ट्रीय चुनौती जारी की है, और वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और संस्थानों से संयोजन या असेंबली से ऑथरशिप तक की छलांग लगाने का आह्वान किया है।

प्रधानमंत्री ने कठोर सत्यों से भी परहेज नहीं किया। उन्होंने उद्योग जगत और किसानों से आत्मनिर्भरता अपनाने और उर्वरकों का संतुलित उपयोग करने का आग्रह किया। हालाँकि भारत दुनिया की फार्मेसी है, जो वैश्विक टीकों का 60त्न का उत्पादन करता है, अब इसे नई दवाओं, टीकों और उपकरणों के क्षेत्र में भी अग्रणी बनने की दिशा में अग्रसर होना चाहिए। यह बायोई 3 नीति के तहत बायोफार्मा को निर्णायक बल देने के साथ-साथ है, जहाँ हमारी महत्वाकांक्षा ऐसी दवाओं का पेटेंट और उत्पादन करना है जो किफायती और विश्वस्तरीय दोनों हों।

घोषित किए गए कर और कानूनी सुधार भी उतने ही साहसिक हैं। महत्वसपूर्ण बात यह है कि 1961 का आयकर अधिनियम, जो स्वयं उस युग का अवशेष है, अब बदला जा रहा है। नया आयकर विधेयक जटिलता को कम कर रहा है, 280 अनावश्यक धाराओं को समाप्त कर रहा है और 12 लाख रुपये तक की राहत प्रदान कर रहा है। फेसलेस मूल्यांकन की शुरुआत ने प्रणाली को पारदर्शी, कुशल और भ्रष्टाचार-मुक्त बना दिया है।

दिवाली तक लॉन्चल किया जाने वाला अगली पीढ़ी का जीएसटी 2.0, दरों को और अधिक तर्कसंगत बनाएगा और अनुपालन को बढ़ावा देगा। 40,000 से ज्यादा अनावश्यक अनुपालनों को समाप्त करने, 1,500 से ज्यादा पुराने कानूनों को निरस्त करने और दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता के साथ, यह नेहरू के आर्थिक पिंजरे को तोड़ने जैसा है। ये सुधार केवल बैलेंस शीट में ही नहीं, बल्कि जीवन में भी सुधार लाते हैं। 25 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों तक पहुँचकर प्रत्यक्ष लाभ अंतरण – ने कल्याण में जवाबदेही को अंतर्निहित किया है और 25 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को गरीबी से बाहर निकाला है।

रोजगार पर फोकस को भी केंद्र में लाया गया है। पीएम विकसित भारत रोजगार योजना 1 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ लॉन्चक की गई है; नए रोजगार पाने वाले युवाओं को 15,000 रुपये प्रति माह मिलेंगे, नए रोजगार के अवसरों का सृजन करने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा, और इस कार्यक्रम का लक्ष्य लगभग 3.5 करोड़ युवा भारतीयों तक पहुँचना है।

महत्वाकांक्षा को वास्तपविकता में बदलने के लिए प्रधानमंत्री ने अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया है—इस निकाय को आर्थिक गतिविधियों के पूरे इकोसिस्टसम को नया रूप देने के लिए बनाया गया है। इसका अधिदेश जितना साहसिक है, उतना ही लंबे अर्से से अपेक्षित भी है: हमारे स्टार्टअप्स और एमएसएमई पर बोझ डालने वाली अनुपालन लागत में कटौती करना, उद्यमों को निरंतर मनमानी कार्रवाई की छाया में रहने से छुटकारा दिलाना, तथा जटिल कानूनों को सरल, पूर्वानुमानित और व्यवस्थित ढांचे में ढालना।

15 अगस्त को घोषित सुधार, केवल अगले दिन की सुर्खियों के लिए नहीं, बल्कि 2047 के भारत से संबंधित हैं। जैसा कि प्रधानमंत्री ने हमें याद दिलाया, दुनिया एक प्राचीन सभ्यता को – अपनी जड़ों को त्यागकर नहीं, बल्कि उनसे शक्ति प्राप्त करके आधुनिक शक्ति में तब्दी्ल होते हुए देख रही है।

त्रासदी जलवायु परिवर्तन या पारिस्थितिकी से खिलवाड़

अजीत द्विवेदी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में धराली गांव के बह जाने की घटना का वीडियो भयावह है। पूरा देश उस वीडियो को देख रहा है और चिंतित हो रहा है कि आखिर यह सब क्या हो रहा है! जिनको जलवायु परिवर्तन या पारिस्थितिकी से खिलवाड़ के बारे में बहुत ज्यादा जानकारी नहीं है वे भी कह रहे हैं कि अब कुछ करना होगा। हालांकि यह तात्कालिक प्रतिक्रिया है श्मशान वैराग्य की तरह। क्योंकि अगर सरकारों और नागरिक समाज को चेत जाना होता तो 2013 का केदारनाथ हादसा उसके लिए बहुत था। उसके बाद तो पहाड़ों पर खास कर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में सब कुछ रोक कर प्रकृति के साथ की गई ज्यादतियों को ठीक करने की मुहिम शुरू हो गई होती।

आखिर उस पैमाने की त्रासदी तो पहाड़ों में कभी देखी नहीं गई थी। यह जरूर है कि 1952 में भयानक बारिश के बाद उत्तराखंड का एक पूरा कस्बा तबाह हो गया था लेकिन 2013 के केदरानाथ हादसे में जितने लोग मरे उतने तब भी नहीं मरे थे। केदारनाथ हादसे में आधिकारिक रूप से छह हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई और करीब चार हजार लोग अब भी लापता हैं। लेकिन हम लोगों ने उससे भी कोई सबक नहीं लिया। थोड़े दिन के शोक और गुस्से के बाद सब कुछ पहले की तरह चलता रहा। अब उत्तरकाशी में खीरगंगा नदी के ऊपर बादल फटा या हैंगिंग ग्लेशियर टूट कर गिर गया, जिससे अचानक आई बाढ़ के पानी के साथ आए मलबे में पूरा धराली कस्बा बह गया तो फिर चौतरफा चर्चा शुरू हो गई है और हर व्यक्ति कहने लगा है कि प्रकृति से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। लेकिन सवाल है कि क्या अब खिलवाड़ रूक जाएगा? क्या पहाड़ों में पनबिजली की परियोजनाएं नहीं बनेंगी? क्या नदियों का रास्ता मोड़ उनके प्राकृतिक प्रवाह को बाधित नहीं किया जाएगा? क्या पहाड़ों पर बड़े बड़ बांध नहीं बनाए जाएंगे? क्या पहाड़ों पर टूरिस्ट स्पॉट नहीं विकसित होंगे और नए रिसॉर्ट नहीं बनेंगे? क्या पहाड़ों में विकास की गतिविधियों के नाम पर अनाप-शनाप पेड़ों की कटाई बंद हो जाएगी? क्या अंधाधुंध खनन बंद हो जाएगा?

लिख कर रख लें, इसमें से कुछ नहीं होगा। धराली की घटना के बाद भी सब कुछ पहले की तरह चलता रहेगा। थोड़े दिन का पॉज होगा और उसके बाद फिर वही किस्सा। चाहे जोशीमठ में मकानों में दरार आ जाए या कहीं सुरंग धंस जाए, कहीं बादल फटे, कहीं भूस्खलन हो या कहीं बाढ़ आ जाए उससे नदियों, पहाड़ों, जंगलों का अंधाधुंध शोषण करने वालों पर कोई फर्क नहीं पड़ता है। सबको पता है कि अचानक पहाड़ों पर इतने बादल क्यों फटने लगे हैं और सबको यह भी पता है कि इतना भूस्खलन क्यों हो रहा है। लेकिन सबने आंखें मूंद रखी हैं। जिनकी जिम्मेदारी इसको ठीक करने की है वे अंधाधुंध निर्माण, जंगलों की कटाई, उत्खनन, बांध आदि को विकास बता कर अपनी पीठ ठोक रहे हैं। उत्तराखंड या हिमाचल प्रदेश में पहाड़ पर बादल फटने और फ्लैश फ्लड यानी अचानक बाढ़ आने के कई कारणों में से एक कारण यह भी है कि मानसून का सीजन लगातार सिमटता जा रहा है। पहले चार महीने का मानसून सीजन होता था लेकिन अब यह महज दो महीने का रह गया है। एकाध अपवाद छोड़ दें तो मानसून दो महीने में समाप्त हो रहा है। जितनी बारिश होनी है इन दो महीनों में होती है।

सरकार तो इस आंकड़े पर आंख मूंद कर यकीन करती है कि सामान्य बारिश हुई या सामान्य से थोड़ी कम या ज्यादा बारिश हुई। लेकिन सामान्य बारिश यानी सौ फीसदी बारिश अगर दो ही महीने में हो रही है तो उसका नुकसान तो होगा। इसका कारण जलवायु परिवर्तन है। बारिश और सर्दियों का सीजन चार महीने में खत्म हो जा रहा है और आठ महीने गर्मी पड़ रही है। अगर प्रकृति के चक्र को ठीक करने का प्रयास नहीं हुआ तो स्थिति और बिगड़ती जाएगी। पहली औद्योगिक क्रांति के बाद से पृथ्वी ढाई फीसदी ज्यादा गर्म हो चुकी है और अगले 25 साल में दो फीसदी और गर्म हो सकती है। इसका मतलब है कि धरती को पहले बुखार हुआ और अब बुखार बढ़ रहा है, जिससे उसकी सेहत खराब हो रही है। जैसे बुखार आदमी के शरीर को तोड़ता है वैसे ही सामान्य से चार फीसदी ज्यादा तापमान धरती के शरीर को तोड़ देगा और उसे ठीक करना इंसान के वश में नहीं रह जाएगा।

बहरहाल, अचानक बादल फटने का एक कारण मैदानी इलाकों में वन क्षेत्र में लगातार आ रही कमी है। वैसे तो पहाड़ों पर भी जंगल काटे जा रहे हैं लेकिन मैदानी इलाकों में जंगल की कटाई इस रफ्तार से हो रही है, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। समूचे उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के मैदानी इलाकों में जंगल साफ होते जा रहे हैं और उनकी जगह कंक्रीट के जंगल खड़े हो रहे हैं। औद्योगिक निर्माण हो रहे हैं और हाउसिंग सोसायटीज बन रही हैं। उत्तर प्रदेश और दिल्ली, हरियाणा से जाकर बड़ी संख्या में लोग घर, फ्लैट और जमीन खरीद रहे हैं। वे उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में साफ हुए जंगल की जगह अपने फार्म हाउसेज बना रहे हैं। इसका नतीजा यह है कि आसमान में जब बादल बनते हैं तो उनके बरसने के लिए मानसून की हवाओं को मैदानी इलाकों में अनुकूल हालात नहीं मिलते हैं। मैदानी इलाकों में वन क्षेत्र की कमी के कारण बादल पहाड़ों पर बरसते हैं या फटते हैं, जिससे अचानक बाढ़ आ जाती है।

इसके अलावा भागीरथी नदी पर बना करीब 260 मीटर ऊंचा टिहरी बांध भी बादल फटने की घटनाएं बढ़ने का एक कारण है। पहले भागीरथी नदी का जलग्रहण क्षेत्र अपेक्षाकृत बहुत छोटा था। लेकिन बांध की वजह से इसका ऊपरी जल क्षेत्र 50 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा हो गया है, जहां बड़ी मात्रा में पानी इकट्ठा होता है। इससे बादल बनने की प्रक्रिया तेज हो गई है। मानसून सीजन में बहुत ज्यादा बादल बनते हैं और फटते हैं। पहले बादल फटने की घटनाएं इक्का दुक्का होती थीं। लेकिन अब नदियों के प्राकृतिक बहाव को बाधित करने से असंतुलन बना है, टिहरी बांध में भारी मात्रा में पानी इकट्ठा होने से बादल ज्यादा बन रहे हैं और मैदानी इलाकों में वन क्षेत्र नहीं होने से बादल पहाड़ों पर फट रहे हैं।

यह ध्यान रखने की जरुरत है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ की वजह से प्रकृति का चक्र बिगड़ा है और अब एक साथ कई बादल फटने की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है, जिससे अचानक बाढ़ आ जा रही है। इस पूरे मामले में एक बात पर और ध्यान देने की जरुरत है कि अब आ रही बाढ़ से नुकसान बढ़ता जा रहा है। इसका कारण यह है कि लोग पारंपरिक तरीकों को छोड़ कर नदियों के किनारे बसने लगे हैं। पहले पहाड़ों में गांव नदी से दूर बसाए जाते थे। लेकिन अब नदियों के किनारे घर बनाए जाने लगे हैं। पर्यटकों की मांग को देखते हुए नदियों के किनारे छोटे होटल, रिसॉर्ट या होमस्टे के लिए घर बनाए जा रहे हैं।

धराली में भी ऐसे ही होटल और होमस्टे बह गए हैं। दूसरा कारण यह है कि नियमों को ठेंगा दिखा कर इकोसेंसिटिव जोन में निर्माण हो रहा है। धराली में जहां यह हादसा हुआ है वह भी ऐसे ही जोन में आता है। फिर वहां निर्माण कैसे हुआ इसकी जांच होनी चाहिए। ऐसे तमाम इलाके मिल जाएंगे, जहां कानूनी तौर पर निर्माण पर रोक लगी हुई है लेकिन वहां निर्माण हुए हैं। इससे पहाड़ों में मानवीय गतिविधियां इतनी बढ़ गई हैं कि जंगल और पहाड़ उसे बरदाश्त नहीं कर पा रहे हैं। सरकारों के साथ साथ स्थानीय नागरिकों को भी पहल अपने हाथ में लेनी होगी। इसकी शुरुआत पेड़ों की कटाई और इकोसेंसिटिव जोन में निर्माण रोकने से हो सकती है।

नवा रायपुर : आईटी इंडस्ट्री के नए युग की शुरुआत

छत्तीसगढ़ मंत्रिपरिषद का यह निर्णय कि नवा रायपुर में आईटी/आईआईटीएस उद्योगों की स्थापना के लिए 90 एकड़ भूमि रियायती प्रीमियम दर पर उपलब्ध कराई जाएगी, न सिर्फ एक प्रशासनिक फैसला है बल्कि प्रदेश की आर्थिक दिशा को बदलने वाला कदम भी साबित हो सकता है।

आज जब दुनिया डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रही है, तब आईटी सेक्टर किसी भी राज्य की प्रगति का पैमाना बन चुका है। नवा रायपुर में आईटी उद्योगों की स्थापना से प्रदेश की छवि निवेशकों के बीच बदलेगी और यह संदेश जाएगा कि छत्तीसगढ़ अब केवल खनिज और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि नई तकनीक और ज्ञान आधारित उद्योगों की भी धरती बन रहा है।

यह पहल केवल रोजगार सृजन तक सीमित नहीं रहेगी। आईटी कंपनियों के आने से स्थानीय युवाओं को प्रदेश में ही अवसर मिलेंगे, पलायन रुकेगा और स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, आधारभूत ढांचे—जैसे इंटरनेट कनेक्टिविटी, ट्रांसपोर्ट और आवास—में तेजी से सुधार होगा। यह सुधार केवल नवा रायपुर तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरे प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को नई ऊर्जा देगा।

हालाँकि, यह भी सच है कि केवल भूमि आबंटन से आईटी उद्योगों का मजबूत इकोसिस्टम नहीं बनता। सरकार को साथ ही शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और निवेशकों को भरोसेमंद माहौल देने की दिशा में ठोस पहल करनी होगी। अगर यह निर्णय सिर्फ़ कागज़ों तक सीमित न रहकर ज़मीनी स्तर पर लागू होता है तो आने वाले वर्षों में नवा रायपुर न सिर्फ़ छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे पूर्वी और मध्य भारत का आईटी हब बन सकता है। मंत्रिपरिषद का यह फैसला भविष्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह छत्तीसगढ़ की नई पहचान गढ़ने का अवसर है। आवश्यकता केवल इतनी है कि इस अवसर को सही दिशा और गति दी जाए।

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन

जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

भारत के आदिवासी समुदाय, जो कि कुल जनसंख्या का 8.6 प्रतिशत हैं, राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत के मूल तत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। फिर भी, इन समुदायों के कई व्यक्ति जानकारी के अभाव में सिकल सेल नामक अनुवांशिक बीमारी से जूझ रहे हैं। दशकों से इस बीमारी ने उनके स्वास्थ्य के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक विकास पर भी गहरा असर डाला है, और यह बीमारी भौगोलिक अलगाव एवं स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुँच के कारण और भी जटिल हो गई है। इस गंभीर आवश्यकता को पहचानते हुए, भारत सरकार ने माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में जुलाई 2023 में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की शुरुआत की। इस मौलिक पहल का उद्देश्य न केवल सिकल सेल के आनुवांशिक संचरण का उन्मूलन करना है, बल्कि इस रोग से प्रभावित लाखों लोगों के सम्मान और स्वास्थ्य को भी बहाल करना है।

सिकल सेल रोग में लाल रक्त कोशिकाओं का आकार बदल जाता है, जिससे उनकी ऑक्सीजन वहन करने की क्षमता कम हो जाती है और धीरे-धीरे गंभीर स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं उत्पन्न होने लगती हैं। आदिवासी जनसंख्या के बीच इसका प्रभाव विशेष रूप से गहरा है, क्योंकि वे इस आनुवंशिक बीमारी से असमान रूप से प्रभावित होते हैं। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज एस्टिमेट्स (2021) रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति वर्ष अनुमानित 82,500 बच्चों का जन्म सिकल सेल रोग के साथ होता है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 ने इस संकट से निपटने के लिए आधार तैयार किया और इसकी विशिष्ट स्वास्थ्य आवश्यकताओं पर ज़ोर इसी के आधार पर, केंद्रीय बजट 2023 में एनएससीईएम की घोषणा की गई, जिसमें वित्त वर्ष 2025-2026 तक 40 वर्ष से कम आयु के 7 करोड़ व्यक्तियों की मिशन मोड में जाँच करने का लक्ष्य रखा गया। कार्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत क्रियान्वित किया गया, जिससे यह विश्व स्तर पर सबसे बड़े जनसंख्या-आधारित आनुवंशिक जाँच कार्यक्रमों में से एक बन गया है। इस मिशन का उद्देश्य 2047 तक एससीडी के आनुवंशिक संचरण को समाप्त करना और पहले से ही इससे पीड़ित लोगों को व्यापक देखभाल प्रदान करना भी है।

पहले दो वर्षों में, स्वास्थ्य मंत्रालय और राज्यों के संयुक्त प्रयासों से इस मिशन के अंतर्गत उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त हुए हैं। 31 जुलाई 2025 तक, 17 उच्च-व्यापकता वाले राज्यों के 300 से अधिक जिलों में 6.07 करोड़ से अधिक व्यक्तियों की जांच की जा चुकी है। जांच किए गए व्यक्तियों में से 2.16 लाख रोगग्रस्त पाए गए, जबकि 16.92 लाख को वाहक के रूप में पहचाना गया। विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि 95% मामले केवल पाँच राज्यों—ओडिशा, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र—में केंद्रित हैं।

छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर के नवापारा की एक युवा आदिवासी लड़की मीना की कहानी इस मिशन के सकारात्मक प्रभाव का प्रतीक है। जांच अभियान के दौरान नैदानिक परीक्षण किए जाने पर, मीना को निकट के एक उप-स्वास्थ्य केंद्र में नामांकित किया गया। प्रशिक्षित सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ), एएनएम और आशा कार्यकर्ता ने यह सुनिश्चित किया कि उसे नि:शुल्क हाइड्रोक्सीयूरिया औषधि समय पर मिलती रहे, जिससे सिकल सेल रोग के लक्षणों में उल्लेखनीय कमी आई। आज, मीना पहले से कहीं अधिक स्वस्थ है और अपने समुदाय में आनुवंशिक रोगों के परामर्श में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है।

स्क्रीनिंग प्रयासों में तेज़ी लाने के लिए, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा अनुमोदित पॉइंट-ऑफ-केयर डायग्नोस्टिक उपकरणों को लगाया गया है। शुरुआत में इनकी संख्या केवल तीन तक सीमित थी, जो अब बढ़कर 30 से अधिक हो गई है। इससे प्रति किट लागत 100 से घटकर 28 हो गई है। इस पहल ने एससीडी के लिए लागत-प्रभावी और कुशल डायग्नोस्टिक क्षमताएँ सुनिश्चित की हैं।

इस मिशन का कार्यान्वयन केवल स्क्रीनिंग पर केंद्रित नहीं है; यह एससीडी से पीड़ित व्यक्तियों की समग्र देखभाल को भी प्राथमिकता देता है। मिशन के अंतर्गत प्रबंधन हस्तक्षेपों में नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ, आवश्यक दवाओं और निदान तक पहुँच शामिल है। सिकल सेल रोग के प्रबंधन के लिए एक प्रमुख दवा, हाइड्रॉक्सीयूरिया, को राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची (ईडीएल) में शामिल किया गया है और अब यह आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप-स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध है, जिससे अंतिम व्यक्ति तक इसकी पहुँच सुनिश्चित होती है।

यह मिशन सिकल सेल रोग के उन्मूलन की प्रमुख रणनीतियों के रूप में आनुवंशिक परामर्श और जन जागरूकता पर भी जोर देता है। अब तक 2.62 करोड़ से अधिक आनुवंशिक स्टेटस कार्ड वितरित किए जा चुके हैं, जिससे लोगों को उपयोगी स्वास्थ्य जानकारी प्राप्त हुई है। ये कार्ड परामर्श और उचित निर्णय लेने का एक प्रभावी माध्यम बन गए हैं, जो परिवारों को ऐसे विकल्प चुनने में मदद करते हैं जिनसे आनुवंशिक संचरण का जोखिम कम हो सकता है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों और जनजातीय कार्य मंत्रालय से प्राप्त वित्तीय सहायता के आधार पर, पंद्रह स्वास्थ्य परिचर्या संस्थानों/मेडिकल कॉलेजों को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए चुना गया है। ये संस्थान प्रसवपूर्व निदान और गंभीर सिकल सेल रोग जटिलताओं के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे जोखिम वाले परिवारों को विशेष परिचर्या सुनिश्चित की जाती है। इसके अतिरिक्त, अक्टूबर 2024 में आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को सिकल सेल रोग प्रबंधन की जटिलताओं का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान किए गए हैं।

मिशन की सफलता संपूर्ण सरकार के दृष्टिकोण पर आधारित है, जिसके तहत स्वास्थ्य मंत्रालय, जनजातीय कार्य मंत्रालय, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को भी शामिल किया गया है। यह अंतर-मंत्रालयी समन्वय जनजातीय स्वास्थ्य के सामाजिक-सांस्कृतिक और भौगोलिक आयामों का समाधान करते हुए समग्र कार्यान्वयन सुनिश्चित करता है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा समर्थित अनुसंधान-आधारित गतिविधियों ने इस मिशन की लागत-प्रभावशीलता और रोगी परिणामों में उल्लेखनीय सुधार किया है।

हालांकि इस मिशन की अब तक की उपलब्धियाँ बेहद सराहनीय हैं, स्वास्थ्य मंत्रालय अब मिशन की दीर्घकालिक प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। अब मिशन का तात्कालिक ध्यान आनुवंशिक परामर्श, जन जागरूकता अभियानों और आनुवंशिक स्टेटस कार्डों के वितरण के विस्तार पर होगा। सामुदायिक स्तर के मंचों का प्रभावी उपयोग यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होगा कि प्रत्येक वाहक और रोगग्रस्त व्यक्ति को आवश्यक परिचर्या और सहायता प्राप्त हो। उन्नत अनुसंधान प्रयास मिशन की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होंगे।

इस मिशन की असली भावना इसके आदर्श हमारे संघर्षकर्ताओं को साथ, हमारे उत्तरजीवियों को संबल, और हमारे योद्धाओं को समर्थन में निहित है। राजनीतिक इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक नवाचार और जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन के संयोजन से भारत सिकल सेल एनीमिया को समाप्तस करने और लाखों लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए तत्पंर है।

जैसे-जैसे भारत वर्ष 2047 तक सिकल सेल रोग उन्मूलन के अपने लक्ष्य की ओर आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है, सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन इसमें आशा की किरण बनकर उभरा है। यह इस बात का द्योतक है कि जब सरकार, स्वास्थ्य सेवा पेशेवर और समुदाय समान हित के लिए एकजुट होते हैं, तो क्या कुछ प्राप्त नहीं किया जा सकता है। हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी व्यक्ति को इस रोग के कारण होने वाले दर्द और पीड़ा को न सहना पड़े।

सिकल सेल एनीमिया के विरुद्ध भारत की लड़ाई सिर्फ़ एक आनुवंशिक रोग से लड़ने तक सीमित नहीं है—यह हाशिए पर रहने वाले हमारे देश के समूहों के लिए समानता, सम्मान और स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता है। मीना जैसी महिलाओं के अनुभवी मार्गदर्शन में, यह मिशन लक्षित स्वास्थ्य सेवा पहलों की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रमाण है, जो जनजातीय स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

आइए, इस अभूतपूर्व प्रयास का जश्न मनाएं और एक स्वस्थ, अधिक समावेशी भारत के निर्माण के अपने संकल्प को दोहराएं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

वृक्षारोपण हेतु महिला स्व-सहायता समूह की लाटरी निकाला गया

भिलाई। केन्द्र सरकार की अमृत मित्र 2.0 अंतर्गत वूमन फार ट्री योजना का शुभारंभ किया गया है। इस योजना के तहत स्थानीय महिला स्व-सहायता समूहो के माध्यम से उद्यानों एवं रिक्त स्थलों में वृहद वृक्षारोपण किया जा रहा है। नगर निगम भिलाई में कुल 40 उद्यानों के लिए रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित किया गया था। जिसमें से 36 उद्यानों के लिए महिला स्व-सहायता समूहो से आफर प्राप्त हुआ था, जिनका कार्यादेश जारी कर वृक्षारोपण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। शेष 4 उद्यानों के लिए पुन: रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित किया गया। जिसमें 30 महिला स्व-सहायता समूहो ने अपने आफर प्रस्तुत किए है, जिनका लाटरी निकाला गया। लाटरी में जोन क्रं. 01 वार्ड क्रं. 04 नेहरू नगर वेस्ट सीएसईबी उद्यान सांई महिला स्व-सहायता समूह, वार्ड क्रं. 04 प्रियदर्शिनी काम्पलेक्स वेस्ट कृष्णा उद्यान दीप महिला स्व-सहायता समूह, जोन क्रं. 05 वार्ड क्रं. 61 सेक्टर 06 रोड नबंर 21 एवं 23 रूई मार्केट के पास उद्यान सशक्त महिला स्व-सहायता समूह एवं वार्ड क्रं. 70 न्यू एमआईजी-1 335/336 सुभाष उद्यान तुलसी महिला स्व-सहायता समूह को प्राप्त हुआ है। इनको जल्द ही कार्यादेश जारी कर कार्य प्रारंभ कराया जाएगा। जिससे शहर की हरियाली एवं प्रदुषण मुक्त वातावरण बनाए रखने में मदद मिलेगी।

निगम भिलाई में विभिन्न विषयों को लेकर कार्यशाला आयोजित

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय सभागार में नशा मुक्ति, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम एवं स्वच्छता को लेकर कार्यशाला का आयोजन आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में किया गया। कार्यशाला में प्रमुख रूप से स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, विशिष्ठ अतिथि के रूप में डाक्टर मोहनीश भगत एवं नर्सिंग की छात्राएं उपस्थित रही। कार्यशाला में डाक्टर मोहनीश भगत ने एल्कोहल एवं तंबाकू से होने वाला क्रानिक बिमारी के बारे में बताया है। इससे मानवीय स्थिति पूरी तरह खराब हो जाती है। सुबह से शराब के लत वाले या प्रतिदिन शराब पीने से शरीर को बहुत नुकसान होता है। शराब एवं तंबाकू से नुकसान ब्रेन डेमेज, हार्ट कैंसर, लीवर केंसर, आंत का कैंसर, पेट का कैंसर, मुंह का कैंसर एवं गले का कैंसर होता हैं। पुरूषो एवं महिलाओं में शराब पीने का प्रचलन आम होता जा रहा है इससे महिलाओं के गर्भधारण के दौरान समस्या हो रही है। अगर बच्चा हुआ तो बच्चो में चाईल्ड सिन्ड्रोम या मानसिक बीमारी होने का खतरा रहता है। आयुक्त पाण्डेय ने बताया कि मानव खुशी पाने के चक्कर में नशा का सेवन करता है। यदि कोई दूसरा व्यक्ति नशा की ओर खीच रहा है तो स्वयं को वहां से दूर करना है। उनके बहकावे में नहीं आना है और उनके पीछे नहीं जाना है। जो व्यक्ति छोटा नशा करता है, वह नशा करने के लिए पैसा नहीं होने पर चोरी का रास्ता अपनाता है। भगवान हर व्यक्ति को कुछ अच्छा करने भेजा है।

संभाग स्तरीय कार्यालयों में शीघ्र ई-ऑफिस प्रक्रिया होगी प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। संभाग आयुक्त एसएन राठौर ने संभाग आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में संभाग स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विभागवार समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा की। संभाग आयुक्त राठौर ने कहा कि शासन की गुड-गवर्नेंस नीति के तहत् दुर्ग संभाग के अंतर्गत सभी संभाग स्तरीय कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने संभाग प्रमुख अधिकारियों को ई-ऑफिस की प्रक्रिया के तहत् कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिनस्थ कर्मचारियों को भी प्रक्रिया के संबंध में प्रशिक्षित करने कहा। संभाग आयुक्त ने उपायुक्त को अधिकारियों और उनके अधिनस्थ कर्मचारियों के लिए शीघ्र संभाग स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित करने को कहा। संभाग आयुक्त ने स्वच्छ छत्तीसगढ़ मिशन की समीक्षा करते हुए नगरीय प्रशासन और विकास विभाग के अधिकारी को शहरी/ग्रामीण क्षेत्रों में सॉलिड-लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान देने निर्देशित किया। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट के संबंध में मौका निरीक्षण करने उपायुक्त को निर्देशित किया।

मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु कार्ययोजना की समीक्षा के दौरान पुलिस, उच्च शिक्षा और स्कूल शिक्षा विभाग को रैली आदि का संयुक्त आयोजन कर विद्यार्थियों के माध्यम से जन-जागरूकता लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रैली में विद्यार्थियों की भागीदारी से वे स्वयं नशे के दुष्परिणाम से अवगत होंगे। संभाग आयुक्त ने स्कूली बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनाने में सर्तकता पूर्वक कार्यवाही करने कहा। संभाग आयुक्त ने संभाग के सभी पंचायतों में सहकारी समिति गठन की समीक्षा के दौरान मछुआ एवं दुग्ध समिति को विशेष प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि अब तक 1106 ग्राम पंचायत को समिति गठन के संबंध में कवर कर लिया गया है। बैठक में संभाग आयुक्त कार्यालय के प्राप्त पत्रों के निराकरण हेतु विभिन्न कार्यालयों को प्रेषित पत्रों पर कार्यवाही की समीक्षा भी की गई। इस अवसर पर उपायुक्त (राजस्व) पदुमलाल यादव, उपायुक्त (विकास) संतोष ठाकुर सहित समस्त विभाग के संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी संभागायुक्तों एवं कलेक्टरों की समीक्षा बैठक ली। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव का आयोजन, लोक निर्माण विभाग की सड़कों हेतु भू-अर्जन प्रकरणों, राजस्व विभाग के ई-कोर्ट न्यायालयों में प्रकरणों का त्वरित निराकरण, एग्रीस्टेक के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन एवं किसान आईडी निर्माण तथा खरीफफसलों का डिजिटल फसल सर्वेक्षण 15 अगस्त से 30 सितम्बर तक पूर्ण करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के आयोजन के संबंध में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रत्येक जिले में रजत महोत्सव को गरिमामय और जनसहभागिता के साथ आयोजित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार करते हुए प्रत्येक विभाग द्वारा एक-एक सप्ताह स्थानीय त्यौहार एवं विशेष अवसरों पर कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। इसी क्रम में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक 'सेवा पखवाड़ा' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जो रजत जयंती समारोह का ही एक महत्वपूर्ण भाग होगा। राजस्व विभाग के अंतर्गत संचालित ई-कोर्ट प्रणाली पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के कलेक्टरों से कहा कि लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण किया जाए। इससे न केवल आम नागरिकों को राहत मिलेगी, बल्कि न्याय प्रक्रिया में पारदर्शिता और गति भी आएगी। साथ ही उन्होंने संभागीय आयुक्त न्यायालयों में न्यायालयीन प्रकरणों का भी शीघ्र निराकरण करने को कहा। इस दौरान कृषि विभाग की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ एग्रीस्टेक प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन सुनिश्चित किया जाए और उनकी किसान आईडी बनाई जाए, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे मिल सके। कोई भी किसान इससे वंचित न हो इसका विशेष ध्यान रखे।

मुख्यमंत्री ने डिजिटल फसल सर्वेक्षण अभियान पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कलेक्टरों से कहा कि यह सर्वेक्षण 15 अगस्त से आरंभ कर 30 सितम्बर 2025 तक पूर्ण किया जाए। सर्वेक्षण का कार्य सटीक, पारदर्शी और समयबद्ध होना चाहिए, जिससे भविष्य में किसानों को फसल बीमा, मुआवजा और अन्य योजनाओं का लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने सभी संभागायुक्तों एवं कलेक्टरों से कहा कि विकास कार्य और जनसेवा से जुड़े कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं।

बच्चों को पौष्टिक आहार मिल रहा या नहीं इस पर ध्यान दे: महापौर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा की। महापौर ने निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों को पौष्टिक आहार और गर्म भोजन नियमित दिया जा रहा है कि नही इस बात की पुष्टी निगम के विभागीय अधिकारी अनिवार्य रूप से करे। इस अवसर पर महापौर परिषद की विभागीय सदस्य रंजिता बेनुआ और स्वास्थ्य विभाग प्रभारी संजू नेताम उपस्थित रहे।

महापौर और महिला एवं बाल विकास विभाग तथा आजीविका मिशन प्रभारी रंजिता बेनुआ ने विभाग की समीक्षा की। महापौर ने सबसे पहले महिला एवं बाल विकास विभाग में पदस्थ कर्मचारियों और किए जा रहे कार्यो की जानकारी ली। बाद में उन्होंने कहा कि एक सप्ताह के भीतर आंगनबाड़ी की स्थिति और बच्चों की संख्यात्मक जानकारी केन्द्रवार एकत्रित किया जाए। इसके अलावा महापौर ने शासन द्वारा चलाए जा रहे कल्याण कारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी चर्चा की। महापौर ने महिला एवं बाल विकास विभाग प्रभारी अधिकारी शैलेष साव को निर्देश दिए कि आगामी बैठक में तथ्यात्मक जानकारी के साथ उपस्थित हो।

अब बारिश के पानी से नहीं होगा कीचड़

रिसाली। रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने वार्ड 7 रिसाली सेक्टर पूर्व में विकास कार्यो की भूमि पूजन की। यहां पार्षद निधी से सिमेंटीकरण कार्य होना प्रस्तावित है। महापौर ने इस अवसर पर कहा कि संयत्र ने तीन दशक पहले आवास निर्माण कराया है। वर्तमान में आवास जर्जर हो चुका है और बारिश के मामूली पानी से घर के सामने कीचड़ हो जाता है। सिमेंटीकरण कार्य से नागरिकों को सुविधा मिलेगी। भूमिपूजन अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद संजू नेताम, एमआईसी जहीर अब्बास, अनील देशमुख, जमुना ठाकुर समेत बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

डिजिटल क्रॉप सर्वे की जानकारी लेने कलेक्टर पहुंचे खेतों में

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासन के निर्देशों के तहत जिले में खरीफ फसलों का डिजिटल क्रॉप सर्वे सर्वेयर के माध्यम से किया जा रहा है। उक्त सर्वे की अद्यतन जानकारी लेने कलेक्टर अभिजीत सिंह आज खेतों में पहुंचे।

उन्होंने दुर्ग तहसील के ग्राम नगपुरा ओर बोरी तहसील के ग्राम नवागांव में सर्वेयर के द्वारा किए जा रहे डिजिटल क्रॉप सर्वे का मौका मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने सर्वे के संबंध में अधिकारियों एवं सर्वेयर से जानकारी ली। कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग हरवंश सिंह मिरी, अनुविभागीय अधिकारी धमधा सोनल डेविड, तहसीलदार दुर्ग प्रफुल्ल गुप्ता, तहसीलदार बोरी तारसिंह खरे, अतिरिक्त तहसीलदार हुलेश्वर खुटे, संबंधित राजस्व निरीक्षक, ग्राम कोटवार, कृषकगण एवं सर्वेयर उपस्थित थे।

अगस्त में 3 दिन एवं सितम्बर में 2 दिन नहीं बेच सकेंगे मांस-मटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अगस्त व सितंबर माह के 5 दिन दुर्ग शहर सीमा क्षेत्र अंतर्गत में मांस-मटन की दुकानें बंद रहेंगी। आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर नगर निगम ने आदेश जारी किया है कि 20 अगस्त (पर्युषण पर्व के पहले दिन), 26 अगस्त (गणेश चतुर्थी) और 27 अगस्त (पर्युषण के आखिरी दिन) सहित 3 सितम्बर डोला ग्यारस व 6 सितम्बर अंनत चतुर्दशी को पूरे नगर निगम क्षेत्र में स्थित पशुवध गृह और सभी मांस-मटन की दुकानें बंद रहेंगी। निगम की स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र मिश्रा ने बताया कि यह आदेश शासन के नगरीय प्रशासन व विकास विभाग के निर्देश पर जारी किया गया है। इन तिथियों पर जोन स्वच्छता निरीक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में निगरानी रखेंगे। वे देखेंगे कि प्रतिबंध का सख्ती से पालन हो सके। महापौर अलका बाघमार व आयुक्त सुमित अग्रवाल ने चेतावनी दी है कि पावन पर्वों के दौरान किसी भी प्रतिष्ठान में मांस-मटन की बिक्री करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अपशिष्ट से संपदा तक - एमआरडी ने स्लैग प्रेषण में रचा नया कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मटेरियल रिकवरी विभाग (एमआरडी) ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज करते हुए स्लैग प्रेषण में नया कीर्तिमान स्थापित किया। 18 अगस्त 2025 को एमआरडी ने एक ही दिन में सर्वाधिक 75 ट्रिप्स में कुल 2345.30 टन अन प्रोसेस्ड एलडी स्लैग का प्रेषण कर इतिहास रचा। इससे पहले 16 अगस्त 2025 को 72 ट्रिप्स और 2267.50 टन का कीर्तिमान दर्ज हुआ था, जिसे इस बार पीछे छोड़ दिया गया।

बीओएफ (एलडी) स्लैग का प्रभावों को कम करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस उपलब्धि से एमआरडी विभाग ने भिलाई इस्पात संयंत्र की परिचालन दक्षता, सतत संसाधन प्रबंधन और पर्यावरण-अनुकूल विकास की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस सफलता के पीछे एमआरडी सामूहिक के अथक प्रयास और कुशल एवं समयबद्ध निपटान संयंत्र में निर्बाध उत्पादन प्रवाह बनाए रखने और पर्यावरणीय विपणन विभाग, सीआईएसएफ तथा अन्य सहायक इकाइयों का घनिष्ठ सहयोग रहा। इस संयुक्त भागीदारी ने न केवल स्लैग के सुचारू परिवहन और समयबद्ध प्रेषण को सुनिश्चित किया, बल्कि संभावित अपशिष्ट को मूल्यवान संसाधन में बदलने की दिशा में भी ठोस कदम रखा। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएँ) तुषार कांत ने एमआरडी टीम तथा सीआईएसएफ कर्मियों के समर्पित प्रयासों की सराहना की और उन्हें भविष्य में भी इसी गति को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं मुख्य महाप्रबंधक (एमआरडी) सुशील कुमार ने विपणन विभाग की सक्रिय भागीदारी और एमआरडी समूह की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की।

यह उपलब्धि महाप्रबंधक आलोक माथुर के मार्गदर्शन में संभव हुई, जबकि वरिष्ठ प्रबंधक (एमआरडी) प्रशांत यादव ने जमीनी स्तर पर टीम का नेतृत्व करते हुए कार्य के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

टूरा फाउंडेशन ने पुरुष आयोग के गठन की रखी मांग, भोपाल के सम्मेलन में कहा-

महिलाएं नहीं पुरुष भी होते हैं प्रताड़ित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुरुषों के हक में लड़ने वाली भिलाई की संस्था टूरा फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने भोपाल मध्यप्रदेश में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया। गैर-सरकारी संगठन भोपाल अगेंस्ट इंजस्टिस (भाई) के तत्वाधान में 15 से 17 अगस्त 2025 तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देश भर से आये 40 से अधिक गैर-सरकारी सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं, विधि विशेषज्ञों, मनोवैज्ञानिकों, पत्रकारों एवं विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

भिलाई स्थित टूरा फाउंडेशन, जो पुरुष अधिकारों के लिए एवं जेंडर न्यूट्रल कानून की माँग को लेकर एक दशक से कार्यरत राष्ट्रीय स्तर पर मान्य गैर-लाभकारी संस्था है। संस्था से सचिव अर्धी बिस्वास एवं कोषाध्यक्ष सौरभ बैनर्जी ने भोपाल आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन में टूरा फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने 6 बिंदुओं पर अपनी मांग रखी। फाउंडेशन ने पुरुष आयोग का गठन, झूठे आरोप पर दंड प्रावधान, लिंग-भेदी कानून की समाप्ति, कानूनी लड़ाई द्वारा प्रभावित एवं एकल परिवार परवरिश बच्चों को मानसिक दुष्प्रभाव से बचाने साझा परवरिश की व्यवस्था, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न कानून के दुरुपयोग पर रोक तथा दोष सिद्ध होने से पहले कार्यवाही पर रोक की मांग रखी है।

सम्मेलन में प्रतिभागियों द्वारा यह तथ्य सामने रखा गया कि समाज एवं कानून को यह समझना होगा कि पीड़ित केवल महिलाएं हीं नहीं होतीं बल्कि पुरुष भी समान रूप से पीड़ित होते हैं। साथ ही अभिभावक अलगाव, वृद्ध माता पिता को संतानों द्वारा त्यागना, पुरुषों का मानसिक एवं मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य, झूठे दहेज प्रताड़ना केस, घरेलु हिंसा के मामले, बलात्कार के झूठे केसों से पीड़ित पुरुषों और उनके परिवारों को सहायता, पत्नी द्वारा एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर रखने से आहत होकर पुरुषों द्वारा आत्महत्या, कार्यस्थल पर पुरुषों की समस्याएं जैसे पुरुषों एवं उनके परिवारों को प्रभावित करने वाले कई गंभीर मुद्दों पर चर्चा हुई। सम्मेलन में टूरा फाउंडेशन द्वारा नवंबर 2024 में जिला स्तरीय, स्कूलों में पुरुषों का समाज में योगदान विषय पर आयोजित ड्राइंग कॉम्पिटिशन की ड्राइंग्स की प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी को सम्मेलन में देश भर से आए संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सराहा।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

काली माता मंदिर के सामने बारिश में अब नहीं होगा जलभराव

रायपुर। आकाशवाणी के पास ग्रास मेमोरियल ग्राउंड के सामने सुप्रसिद्ध कालीमाता मंदिर के सामने वाले मुख्य मार्ग में अब बारिश के दौरान जल भराव की समस्या नहीं आयेगी। इस हेतु नगर निगम रायपुर के जोन 4 एवं रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र अतर्गत पडित भगवतीचरण शुक्ल वार्ड कमाक 57 क्षेत्र में नगर निगम जोन 4 लोककर्म विभाग की ओर से 9 लाख 50 हजार की स्वीकृत लागत से सामान्य मद से निकास हेतु नई नाली का निर्माण मंदिर के सामने मार्ग के किनारे शीघ्र करने हेतु आज महापौर श्रीमती मीनल चौबे, रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, सभापति सूर्यकांत राठौड, पडित भगवतीचरण शुक्ल वार्ड पार्षद एवं निगम संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, जोन 4 जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा ने श्रीफ्ल फोडकर व कुदाल चलाकर निकास हेतु शीघ्र नाली का निर्माण करने भूमिपूजन किया। इस दौरान कार्य को शीघ्र सतत मॉनिटरिंग कर गुणवत्ता युक्त तरीके से पूर्ण करवाना सुनिश्चित करने के निर्देश नगर निगम जोन 4 जोन अध्यक्ष अरूण ध्रुव को दिये।

इस दौरान नगर निगम रायपुर के पूर्व पार्षद श्री जगदीश कलश, सामाजिक कार्यकर्त्ता श्री संतोष सोनी, नगर निगम जोन 4 कार्यपालन अभियंता श्री शेखर सिंह, उपअभियंता श्री रंजीत बारवा सहित कालीमाता मंदिर के श्रद्धालुओं, वरिष्ठ नागरिको सामाजिक कार्यकर्ताओं, महिलाओ, गणमान्यजनों, नवयुवको, आमजनों की उपस्थिति रही।

शहीद वीर नारायण सिंह की जयस्तंभ चौक प्रतिमा के शिलालेख को तत्काल सुधरवाकर लगवाया

रायपुर। कतिपय अज्ञात शरारती तत्वो द्वारा जयस्तंभ चौक के किनारे स्थित अमर शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा स्थल पर उनकी सादर स्मृति में लगाये गये शिलालेख को क्षतिग्रस्त करने के प्रयास की जानकारी मिलते ही इसे तत्काल संज्ञान में लेकर नगर निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे द्वारा दिये।

निर्देशानुसार नगर निगम रायपुर के जोन 4 द्वारा तत्काल शिलालेख सुधरवाकर ससम्मान सादर स्मृति में शहीद वीरनारायण सिंह प्रतिमा स्थल पर लगवाया। नगर निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने जयस्तंभ चौक के किनारे स्थित अमर शहीद वीर नारायण सिंह के प्रतिमा स्थल में तत्काल सुधरवाकर लगाये गये शिलालेख एवं प्रतिमा स्थल का प्रत्यक्ष निरीक्षण नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव की उपस्थिति में किया। महापौर ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के प्रथम वीर शहीद भारत माता के सपूत माटी के लाल अमर शहीद वीर नारायण सिंह की शहादत को देश का प्रत्येक नागरिक युगो-युगो तक सादर ससम्मान स्मरण करता रहेगा और प्रत्येक नागरिक को उनके अमर बलिदान से जीवन में राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने की सकारात्मक उर्जा शक्ति प्राप्त होती रहेगी।

प्रोजक्ट 'मेरा गांव मेरी पहचान' के अंतर्गत संबंधित ग्रामों के विकास की कार्ययोजना बनाएं: कलेक्टर डॉ. सिंह

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिले के विकास एवं प्रशासनिक कार्यों की गहन समीक्षा की गई। बैठक में अधिकारियों को शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा शुरू किए गए नवाचार प्रोजक्ट मेरा गांव मेरी पहचान के संबंध में जिन अधिकारियों को जिन गांवों के प्रभार दिए गए है, उनका समय-समय पर दौरा करें, वहां पर शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि इन गांवों में जाकर जन समस्या का जायजा लें और समाधान करें। इसके विकास कार्य के लिए कार्ययोजना बनाएं। साथ ही नगरीय निकायों की बैठक में सभी जोन आयुक्तों को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने निर्देश दिया कि अपने क्षेत्र में अतिक्रमण के विरूद्ध कार्यवाही में तेजी लाएं, साफ-सफाई के विशेष ध्यान रखें और जोन क्षेत्र में आने वाले सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करें। इस अवसर पर निगम आयुक्त विश्वदीप, अपर कलेक्टर आईएएस सुश्री नम्रता जैन, सीईओ जिला पंचायत कुमार बिश्वरंजन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पढ़ाई के साथ कौशल में दक्ष होकर समाज में बनाए अपनी पहचान-महापौर

गुरुकुल महिला महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण के लिए एनजीओ मैनेजमेंट ट्रेनिंग और प्लेसमेंट कैंप हुआ शुरु

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला सशक्तिकरण और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में गुरुकुल महिला महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ एवं महिला प्रकोष्ठ द्वारा नेशनल वीमेन हेल्पलाइन एवं नेशनल सोशल इकनॉमिक्स डेवलपमेंट प्रोजेक्ट फॉर वीमेन के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय एनजीओ मैनेजमेंट ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट कैंप का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर महापौर मीनल चौबे, प्रशिक्षक डॉ. सुनील कुमार सिंह, सोमा बरेथ मैडम, शासी निकाय के अध्यक्ष अजय तिवारी, सचिव श्रीमती शोभा खंडेलवाल एवं डॉ. संध्या गुप्ता प्राचार्य उपस्थित रहीं।

महापौर मीनल चौबे ने छात्राओं को बताया कि पढ़ाई के साथ-साथ सभी को किसी ना किसी कौशल में दक्षता हासिल करना चाहिए जिससे वो अपनी पहचान समाज में बना सकें। इस दौरान उन्होंने अपने छात्र जीवन से जुड़ी कुछ यादों को साक्षा भी किया। पटना से आये प्रशिक्षक डॉ. सुनील सिंह ने महिला नेतृत्व, एनजीओ प्रबंधन एवं रोजगार अवसरों पर छात्राओं को जानकारी दी एवं बताया कि स्वयं का विश्लेषण अपने जीवन में मुकाम हासिल करने के लिए बहुत आवश्यक है। स्व-विश्लेषण से आप अपने व्यक्तित्व को समझ पाते है और सही दिशा में अपना जीवन जी सकते है।

रायगढ़ घराने की कथक नृत्यांगना सुश्री सोमा बरेथ ने छात्राओं को बताया कि पढ़ाई के साथ-साथ नृत्य कला में दक्षता हासिल कर अपने जीवन को एक नई दिशा दिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ से उन्होंने नृत्य की शिक्षा गुरु मांडवी मैडम एवं डॉ. जितेश गडपेले से प्राप्त किया है और वर्तमान में जबलपुर में एक स्कूल में कथक नृत्य की शिक्षिका है। छात्र से शिक्षिका तक का सफर उन्होंने छात्राओं से साझा किया एवं बताया कि किसी भी काम को लगन एवं निष्ठा से करने पर मंजिल तक जरुर पहुँचा जा सकता हैञ सुश्री सोमा बरेथ ने कथक नृत्य की मोहक प्रस्तुति दिया एवं छात्राओं को कथक नृत्य की जानकारी दी। नेशनल वीमेन हेल्पलाईन ने महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. संध्या गुप्ता को राष्ट्रीय महिला शक्ति सम्मान से महापौर ने सम्मानि किया। प्रतिभागियों को एनजीओ संचालन, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, फंडिंग, कानूनी प्रक्रियाओं और टीम बिल्डिंग पर प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह में प्रशिक्षकों द्वारा फैशन शो का आयोजन किया जायेगा। इस फैशन शो का मुख्य आकर्षण महापौर का छात्राओं के साथ रैम्प वॉक है।

निगम का विशेष अभियानः 15 दिनों में 843 आवारा पशुओं को पकड़कर भेजा गौठानों में

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उच्च न्यायालय के आदेशों के पालन में राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और रायपुर जिला प्रशासन के निर्देश पर रायपुर नगर निगम ने शहर की सड़कों से आवारा पशुओं को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया। यह अभियान राजधानी के 10 जोनों में लगातार 15 दिनों तक चलाया गया, जिसमें कुल 843 आवारा पशुओं को पकड़कर सुरक्षित रूप से गौठानों में भेजा गया। नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष मीना चौबे, आयुक्त सुलभ कुमार, और स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. बंजारे के मार्गदर्शन में

निगम की जोनल टीमें सुबह से शाम तक शहर की मुख्य और उप-सड़कों की मॉनिटरिंग करती रहीं। निगम द्वारा ट्रैक्टर

और कैदखाना वाहनों की मदद से इन पशुओं को पकड़कर गौठानों तक पहुंचाया गया, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था पर पड़ने वाला नकारात्मक प्रभाव कम हुआ। 18 अगस्त 2025 को ही नगर निगम की टीमों ने 39 आवारा पशुओं को विभिन्न मार्गों से हटाकर गौठानों तक पहुंचाया। अभियान का उद्देश्य सड़कों पर यातायात में आ रही बाधाओं को खत्म करना और लोगों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। निगम अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की कार्यवाही आगे भी लगातार जारी रहेगी। शहरवासियों से अपील की गई है कि वे अपने मवेशियों को सड़कों पर खुला न छोड़ें, क्योंकि इससे न केवल यातायात बाधित होता है, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ जाती है।

34 लोगों ने लिया अंग व संपूर्ण देहदान का संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशन में जिला प्रशासन रायपुर द्वारा संचालित प्रोजेक्ट दधीचि अंगदान व देहदान के क्षेत्र में जनजागरूकता का प्रतीक बनता जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से अब तक 34 लोगों ने अंगदान कर समाज के लिए प्रेरणा दी है। इसी क्रम में गुढ़ियारी निवासी व जिला पंचायत रायपुर में कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटर विकास भास्कर ने संपूर्ण देहदान का संकल्प लिया है।

इस सराहनीय निर्णय पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने भास्कर को शॉल, प्रेरक पुस्तक व प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विकास ने कहा, मैंने देहदान का संकल्प लिया है और मैं सभी

नागरिकों से निवेदन करता हूं कि वे भी मानवता की सेवा में इस पवित्र कार्य में सहभागी बनें।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आम नागरिकों से अपील की कि वे प्रोजेक्ट दधीचि के माध्यम से अंगदान एवं देहदान के अभियान में सहभागी बनें और जरूरतमंदों को जीवनदान देने में योगदान दें। प्रोजेक्ट दधीचि का उद्देश्य शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों व आम जनता को अंगदान के लिए प्रेरित कर एक सशक्त व संवेदनशील समाज का निर्माण करना है। कार्यक्रम में निगम आयुक्त विश्वदीप, अपर कलेक्टर नम्रता जैन आईएएस, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

जांबाज अफसर लक्ष्मण को शौर्य चक्र से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पखांजूर-टीआई लक्ष्मण केंवट को राष्ट्रपति शौर्य चक्र से सम्मानित करेंगी। टीआई लक्ष्मण केंवट ने बताया, 2007 में पुलिस में भर्ती होने के बाद बस्तर के अति संवेदनशील बीजापुर जिले में 2012 में पोस्टिंग हुई। उस दौर में यहां भीषण नक्सली खौफ था। बस्तर के हालात देखकर रोंगटे खड़े हो गए, तब मन में दो सवालों को लेकर कश्मकश चल रही थी। पहला या तो नौकरी छोड़ वापस घर चले जाएं और दूसरा मौत का डर छोड़ नक्सलियों का डटकर सामना करें। फिर एक सवाल आया कि अगर बस्तर में पोस्टिंग के डर से सभी नौकरी छोड़ देंगे तो बस्तर में रहने वालों का क्या होगा? तभी तय किया कि चाहे जो हो जाए नक्सलियों का डटकर मुकाबला करना है। साथ ही यह भी ठान लिया कि अपने बस्तर पोस्टिंग के दौरान 100 नक्सलियों को मार गिराना है। 23 मार्च 2014 को मैंने पहला एनकाउंटर किया, जिसके बाद आउट ऑफ टर्न प्रमोशन मिला। इसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अब तक 36 ऑपरेशनों में शामिल होकर 92 नक्सलियों का सफाया कर चुका हूं।

बुलेट पर लिखवाते हैं संख्या

लक्ष्मण ने हर एनकाउंटर के बाद अपनी बुलेट पर मारे गए नक्सलियों के आंकड़े अपडेट कराते हैं। अभी उनकी बुलेट पर लिखा है- अब तक 83ज, इस संबंध में लक्ष्मण केंवट ने कहा कि 92 इतनी जल्दी पहुंच गया कि अपडेट करा ही नहीं पाया हूं। लक्ष्मण ने 16 अप्रैल 2023 को कलपर की पहाड़ी में सबसे बड़े नक्सल ऑपरेशन में 187 जवानों की टीम का नेतृत्व किया। इसमें 29 नक्सलियों को घेरकर मारे गए थे। इसके बाद पूरे बस्तर में पुलिस का मनोबल इतना ऊंचा हो गया था कि एक के बाद एक लगातार ऑपरेशन करते नक्सलियों को मार रहे हैं। हाल ही में मानपुर में हुए ऑपरेशन में उनके नेतृत्व में दो बड़े नक्सली विजय रेड्डी और लोकेश सलाम मारे गए। 100 नक्सलियों को मारे गिराने के लक्ष्य से वे मात्र 8 कदम दूर हैं।

सिंचाई के लिए पानी वितरण पर संभागायुक्त ने ली बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर संभागायुक्त एम.डी. कावरे ने अपने कार्यालय में खरीफ फसल सिंचाई के लिए पानी वितरण से संबंधित समीक्षा बैठक ली। बैठक में महानदी मंडल रायपुर एवं संबद्ध जल प्रबंध संभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अधीक्षण अभियंता संतोश कुमार साहू ने बताया कि वर्तमान में कोडापार हेड से 3676 क्यूसेक और मांदर भाखा नहर से 650 क्यूसेक जल प्राप्त हो रहा है। इस प्रकार महानदी मुख्य नहर से कुल 4326 क्यूसेक डिस्चार्ज प्राप्त हो रहा है, जबकि बांध से 4500 क्यूसेक डिस्चार्ज छोड़ा जा रहा है।

सिंचाई की स्थिति

व्हीके सिरमौर, कार्यपालन अभियंता, जल प्रबंध संभाग क्रमांक-2 बलौदाबाजार ने बताया कि उनके संभाग में लगभग 78,700 हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ फसल बोआई हुई है। गिरी टिकरिहा, कार्यपालन अभियंता,

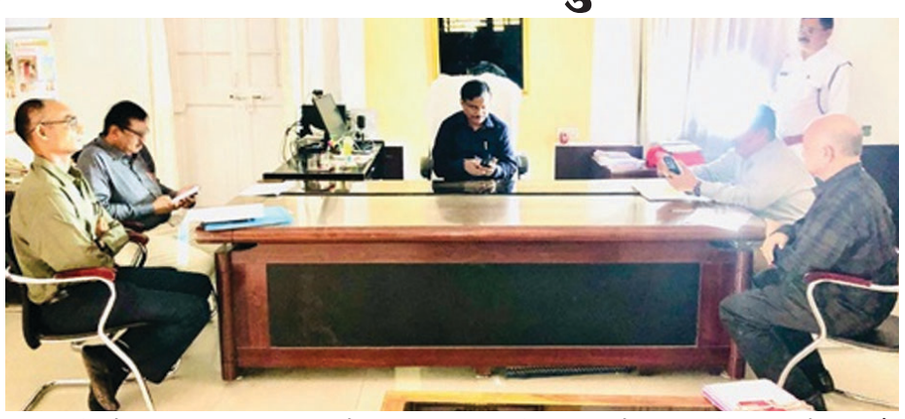

म.ज.प. डिसनेट संभाग क्रमांक-3 तिल्दा ने बताया कि उनके क्षेत्र में लगभग 38,800 हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ फसल बोआई की गई है। वर्तमान में बुढ़ेनी हेड से 1945 क्यूसेक जल प्राप्त हो रहा है, जिसमें से 416 क्यूसेक जल तिल्दा संभाग के भाटापारा भाखा नहर को तथा 1529 क्यूसेक जल बलौदाबाजार संभाग के अंतर्गत बलौदाबाजार एवं लवन भाखा नहर को प्रदाय किया जा रहा है।

किसानों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा सिंचाई हेतु जल की मात्रा बढ़ाने का लगातार आग्रह किया जा रहा है। अंतिम छोर तक सिंचाई पानी पहुँचाने के लिए 1000 क्यूसेक अतिरिक्त जल की आवश्यकता है। इस हेतु रवीशंकर बांध से अतिरिक्त 1000 क्यूसेक जल छोड़ने के निर्देश अधीक्षण अभियंता, बांध मंडल रूद्री को दिए गए हैं।

नहर निर्माण कार्य

आनंद कुमार निकोसे, कार्यपालन अभियंता, म.ज.प. द्वितीय चरण कार्य संभाग, रायपुर ने बताया कि ग्राम मोहगांव के समीप 1.40 किमी. क्षेत्र का भू-अर्जन किया जा चुका है। इसमें 28 किसानों ने मुआवजा प्राप्त कर लिया है, जबकि 22 किसानों ने मुआवजा नहीं लिया है तथा नहर निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। इस समस्या के शीघ्र निराकरण की आवश्यकता बताई गई। बैठक में अधीक्षण अभियंता संतोश कुमार साहू, कार्यपालन अभियंता ललित कुमार रावते, व्ही.के. सिरमौर, गिरी टिकरिहा एवं आनंद कुमार निकोसे उपस्थित थे।

चित्रकला उत्सव में 150 बच्चों ने दिखाया हुनर, 10 शिक्षकों का हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के सिटी सेंटर मॉल, पंडरी में नव संचार शिक्षण परिषद ने एक भव्य चित्रकला प्रतियोगिता और सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में 150 से अधिक विद्यार्थियों ने अपनी कला का जादू बिखेरा। 10 शिक्षकों को उनके नि:स्वार्थ शैक्षिक और सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

चित्रकला प्रतियोगिता दो आयु वर्गों में आयोजित की गई थी। पहला समूह 5 से 12 वर्ष के बच्चों का था, जिसमें प्रथम स्थान अर्णव प्रवीण चोपकर, द्वितीय स्थान अरिपा सिंह और तृतीय स्थान अद्विका पांडे ने हासिल किया। दूसरा समूह 13 से 20 वर्ष के किशोरों का था, जिसमें दीपक ध्रुव ने प्रथम, नेहा कोसले ने द्वितीय

और रियांश रंजन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बच्चों ने अपने चित्रों के माध्यम से देशभक्ति, पर्यावरण और सामाजिक मुद्दों को रंगों में उकेरा, जिसने उपस्थित सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। निर्णायक मंडल में श्रीमती सविता मोतलग, श्रीमती माया डोंगरे और मैत्री वैष्णव शामिल थीं, जिन्होंने बच्चों की प्रतिभा का निष्पक्ष मूल्यांकन किया।

मुख्य अतिथि के रूप में नेहा त्रिवेदी और बंटी होरा उपस्थित रहे। नव संचार शिक्षण परिषद की संचालिका और संपादक श्रीमती उमा धोटे ने बताया कि पिछले 30 वर्षों से संस्था शिक्षा और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत है। यह संस्था विशेष रूप से ग्रामीण और स्लम क्षेत्रों के उन बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करती है, जो आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई से वंचित रह जाते हैं। श्रीमती धोटे ने बताया कि इस आयोजन की तैयारी पिछले एक माह से चल रही थी। ऑनलाइन और ऑन-द-स्पॉट रजिस्ट्रेशन के जरिए 150 बच्चों ने हिस्सा लिया, लेकिन जगह की कमी के कारण ऑन-द-स्पॉट रजिस्ट्रेशन रोकना पड़ा।

कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण रहा 10 शिक्षकों का सम्मान समारोह। डॉ. अर्चना पांडे, डॉ. पीयूष दुबे, डॉ. संतोष आदिल, कुमारी एन कोरियन, प्रमोद शर्मा, श्रीमती अंजलि कालरा, श्रीमती कोमल मोटवानी, श्रीमती पूजा चौबे और कुमारी आफ्रीन को उनके नि:स्वार्थ शैक्षिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। ये शिक्षक ग्रामीण और स्लम क्षेत्रों में बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करते हैं और समाज को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सम्मान समारोह में उनकी सेवाओं को सराहा गया और उपस्थित लोगों ने तालियों से उनका अभिनंदन किया।

संस्था की संस्थापक उमा धोटे के साथ कुमारी खुशी धोटे, मास्टर सौजन्य पांडे, कुमारी संपदा पांडे, कुमारी मानसी, मास्टर आयुष पांडे, चीनी जैन और अध्यक्ष कविता मुंदड़ा ने इस आयोजन को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। श्रीमती धोटे ने बताया कि यह आयोजन बच्चों को उनकी रचनात्मकता करने का मंच देने के साथ-साथ समाज में शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास था।

अवैध निर्माण और प्लाटिंग पर निगम ने चलाया बुलडोजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेश एवं नगर पालिक निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर मंगलवार को नगर निगम जोन-5 द्वारा अवैध निर्माण और प्लॉटिंग के खिलाफ अभियान चलाया गया। जोन 5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक के मार्गदर्शन में सहायक अभियंता नागेश्वर राव रामटेके, उप अभियंता अंकुर मिश्रा एवं टिकेन्द्र चंद्राकर की उपस्थिति में नगर निवेश विभाग की टीम ने नगर निगम मुख्यालय के नगर निवेश उड़न दस्ते के साथ संयुक्त कार्रवाई की।

अभियान के तहत पासपोर्ट कार्यालय के पास नागरिक राम बहल सिंह द्वारा अनुमति के विपरीत किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया। वहीं, भाठागांव इंटेकवेल क्षेत्र में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा की जा रही अवैध प्लॉटिंग पर भी निगम ने कड़ा कदम उठाया। मौके पर पहुंची टीम ने जेसीबी मशीन की मदद से अवैध रूप से बनाई गई मुरूम रोड को काटकर मार्ग का आवागमन अवरुद्ध कर दिया, जिससे आगे किसी भी तरह की अवैध गतिविधि पर तत्काल रोक लग सके। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर में अवैध निर्माण और प्लॉटिंग करने वालों पर इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

अभिनेत्री श्रीदेवी विजयकुमार का खुलासा: प्रभास संग दोस्ती आज भी कायम

निर्देशक वेंकटेश निम्मलपुडी की आगामी तेलुगु फिल्म 'सुंदरकांडा' से बड़े पर्दे पर वापसी कर रही अभिनेत्री श्रीदेवी विजयकुमार, जिसमें अभिनेता नारा रोहित मुख्य भूमिका में हैं, ने अब खुलासा किया है कि प्रभास, जो उनकी पहली फिल्म में उनके सह-कलाकार थे, के साथ उनकी दोस्ती अब भी वैसी ही है, भले ही अभिनेता एक बड़े अखिल भारतीय स्टार बन गए हों।

जिन लोगों को नहीं पता, उन्हें बता दें कि अभिनेत्री श्रीदेवी विजयकुमार, अभिनेता प्रभास की पहली फिल्म 'ईश्वर' में नायिका थीं, जिसका निर्देशन जयंत सी परंजी ने किया था। हालाँकि श्रीदेवी ने अपने अभिनय की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी, लेकिन ईश्वर ने उन्हें फिल्म की मुख्य नायिका के रूप में पहली बार प्रदर्शित किया।

'सुंदरकांडा' की यूनिट द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, अभिनेत्री श्रीदेवी से प्रभास के साथ उनकी दोस्ती के बारे में पूछा गया, जिस पर अभिनेत्री ने कहा, प्रभास के साथ दोस्ती अब भी वैसी ही है। प्रभास अब एक बड़े स्टार हैं। हालाँकि, उनमें जरा भी बदलाव नहीं आया है। श्रीदेवी ने बताया कि प्रभास अब भी बच्चों जैसी मासूमियत से मुस्कुराते और बात करते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पहली फिल्म 'ईश्वर' की टीम में सभी को यह एहसास था कि प्रभास आगे चलकर एक बड़े स्टार बनेंगे।

ईश्वर के समय भी हम सभी यही सोचते थे कि वह एक बड़े सुपरस्टार बनेंगे। जब हम किसी सक्सेस टूर का हिस्सा होते थे, तो भारी भीड़ उमड़ पड़ती थी। प्रभास हमारी उम्मीद से भी बड़े स्टार बन गए हैं। यह वाकई एक वरदान है। 'सुंदरकांड' के साथ सिनेमा में अपनी वापसी के बारे में बात करते हुए, जिसमें वह वृति वघानी के साथ दो नायिकाओं में से एक की भूमिका निभा रही हैं।

श्रीदेवी ने कहा, मैं वापसी करके बहुत खुश हूँ। कोई भी अभिनेता एक अच्छा किरदार निभाना चाहता है। कोई भी किरदार दमदार होना चाहिए। मैं इस फिल्म में एक बहुत ही सार्थक किरदार निभा रही हूँ। एक दर्शक के तौर पर, मुझे यह फिल्म बहुत पसंद आई। इसका आउटपुट बहुत ही शानदार था। इसमें बहुत ही ताजा विषयवस्तु है और हर कोई सिनेमाघरों में जाकर इसका आनंद ले सकता है। संदीप पिक्चर पैलेस (एसपीपी) के बैनर तले संतोष चिन्नापोल्ला, गौतम रेड्डी और राकेश महांकाली द्वारा निर्मित यह फिल्म 27 अगस्त को रिलीज होगी।

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अल्लू अर्जुन और एटली के साथ अगली फिल्म के लिए आवंटित किए 100 दिन

अल्लू अर्जुन और एटली भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक, जिसका नाम AA22&A6 है, की शूटिंग में व्यस्त हैं। अपनी तरह की अनूठी अल्टरनेटिव रियलिटी फिल्म कही जा रही AA22&A6 का बजट बहुत बड़ा है और निर्माताओं ने फिल्म के एक्शन और विजुअल्स डिजाइन करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय क्रू को शामिल किया है। निर्माताओं ने अल्लू अर्जुन के साथ दीपिका पादुकोण और रश्मिका मंदाना, जान्हवी कपूर और मृणाल ठाकुर जैसे कई स्टार कलाकारों को फिल्म में शामिल किया है।

हमने सुना है कि यह फिल्म एक अनोखी समानांतर ब्रह्मांड फिल्म है जिसमें अल्लू अर्जुन कई रूपों में तिहरी भूमिका में हैं। जैसा कि पिंकविला ने पहले बताया था, AA22&A6 भारतीय सिनेमा की सबसे तकनीकी रूप से उन्नत फिल्म है और यह फिल्म दो अलग-अलग दुनियाओं में सेट है, जिसमें अवतार जैसा एक वैकल्पिक ब्रह्मांड भी शामिल है।

सूत्र ने आगे कहा, AA22&A6 की शूटिंग सितंबर 2026 तक चलेगी और निर्माता इसे 2027 के उत्तरार्ध में बड़े पर्दे पर लाने का लक्ष्य बना रहे हैं। अल्लू अर्जुन ने अपना कैलेंडर विशेष रूप से एटली की अगली फिल्म के लिए निर्धारित कर लिया है और अपने करियर की सबसे प्रतिष्ठित फिल्म के लिए पूरी लगन से काम कर रहे हैं। दीपिका पादुकोण की बात करें तो, अभिनेत्री अक्टूबर से शाहरुख खान के साथ किंग में अपने हिस्से की शूटिंग शुरू करेंगी। सूत्र ने

निष्कर्ष निकाला, किंग और एटली की अगली फिल्म दीपिका के माँ बनने के बाद पहली दो शूटिंग होंगी। वह 2026 के अंत से दोनों प्रोजेक्ट्स के बीच तालमेल बिठाएँगी।

और अब, हमें विशेष रूप से पता चला है कि दीपिका पादुकोण नवंबर महीने से अल्लू अर्जुन और एटली के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एक सूत्र ने बताया, दीपिका पादुकोण ने फिल्म की तैयारी शुरू कर दी है और उम्मीद है कि वह नवंबर 2025 में सेट पर शामिल होंगी। उन्होंने फिल्म की शूटिंग के लिए 100 दिन निर्धारित किए हैं और उम्मीद है कि वह इस पूरी यात्रा में नाटकीय और एक्शन से भरपूर दृश्य करेंगी। अल्लू अर्जुन के साथ दीपिका पादुकोण का यह अंदाज़ पहले कभी नहीं देखा गया। टीम ने दीपिका के किरदार के लिए एक योद्धा का खास लुक और हथियार भी तैयार किए हैं।

मशहूर अभिनेत्री रेजिना कैसंड्रा, शोबिज में अपने 20 सालों के सफर पर डाली नजर

पीरियड स्ट्रीमिंग सीरीज रॉकेट बॉयज में अपने काम के लिए मशहूर अभिनेत्री रेजिना कैसंड्रा, शोबिज में अपने 20 सालों के सफर पर नजर डाल रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में आईएएनएस से बात की, क्योंकि उनकी आगामी फिल्म द वाइव्स का निर्माण तेजी से चल रहा है। अपने सफर पर विचार करते हुए, अभिनेत्री ने आईएएनएस को बताया: मेरा सफर प्रेरणादायक और विनम्र रहा है। मुझे विभिन्न भाषाओं में इतने सारे दिलचस्प और अलग-अलग अवसर मिले हैं, यह मेरा सौभाग्य है। आज मैं अपने काम को याद करती हूँ और मुस्कुराती हूँ। बेशक यह आसान नहीं था। मुझे संदेह था, मुझे लगता था कि मैं अपनी और दूसरों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर रही हूँ। जब मैंने शुरुआत की थी, तब मैं बच्ची थी। तब चीजें बहुत अलग थीं।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि लंबे समय तक वह चाहती थीं कि उनका कोई गुरु हो। लेकिन फिर उन्होंने खुद ही सब कुछ सीख लिया और यह काम अपने ऊपर ले लिया। उन्होंने आगे कहा: आज, मैं इस अनुभव के लिए बहुत आभारी हूँ। मैं अपने काम और उसके जरिए मिले परिदृश्यों की बदौलत एक इंसान के रूप में विकसित हुई हूँ। मैंने हमेशा एक बात पर जोर दिया है: मैं एक बहुमुखी कलाकार बनना चाहती हूँ। मैं पड़ोस की लड़की, धर्मपरायण, पागल, नशेड़ी, बुरी लड़की, समलैंगिक, सब कुछ बनना चाहती थी। मैं ये सब निभाना चाहती थी और अब भी चाहती हूँ। मैं खुशकिस्मत हूँ कि मुझे किसी खास श्रेणी में नहीं रखा गया और इससे मुझे आगे बढ़ने में मदद मिली है।

अपने 20 साल के करियर में, अभिनेत्री ने भारत के कई फिल्म उद्योगों में काम किया है। जब उनसे पूछा गया कि वह खुद को कैसे परिभाषित करेंगी, तो अभिनेत्री ने कहा: पागलपन का भी एक तरीका होता है। आपको बस उसके साथ चलना होता है। उन्होंने आगे कहा, यह प्रोजेक्ट और सेट-अप पर भी निर्भर करता है कि वह अव्यवस्थित है या सहज। इसे मोटे तौर पर अलग-अलग भाषाओं के अंतर के आधार पर वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। हालाँकि, दक्षिण भारतीय फिल्म निर्माता अपनी जड़ों से जुड़ी फिल्में बनाना पसंद करते हैं। आपको ऐसी फिल्में दक्षिण में या हिंदी सिनेमा के अलावा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में भी ज्यादा मिलेंगी। इसके अलावा, मेरी राय में, बॉलीवुड अभिनेताओं को स्टार बनाता है। सबसे अच्छा यही है कि भारत के विभिन्न उद्योगों की तुलना न की जाए।

'लेखिका' ट्विंकल खन्ना ने फैंस से पूछा, आपने 'वेलकम टू पैराडाइज' पढ़ी है क्या?

अभिनेत्री ट्विंकल खन्ना ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वह फैंस से 'वेलकम टू पैराडाइज' को लेकर सवाल पूछ रही हैं। इसमें वो अपनी किताब का अंश पढ़ते हुए देखी जा सकती हैं। अभिनेत्री ने इसके कैप्शन में लिखा, बारिश के इस दिन पर, 'वेलकम टू पैराडाइज' से एक छोटा-सा पैराग्राफ।

मुझे अक्सर लगता है कि काश मैं अपनी पुरानी किताबों के हिस्से दोबारा लिख पाती। लेकिन इस किताब के साथ ऐसा कभी महसूस नहीं हुआ। इसमें मैंने जो कहना चाहा, वो सब कुछ एक हल्के और सहज अंदाज में कह पाई और उस अंदाज को पाने के लिए मैंने खूब मेहनत की थी।

उन्होंने फैंस से सवाल पूछा, 'वेलकम टू पैराडाइज' की कौन-सी कहानी आपके दिल को सबसे ज्यादा छू गई? उनकी इस वीडियो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं, कई यूजर्स हार्ट और फायर इमोजी भी पोस्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, अमेजिंग मैम, दूसरे ने लिखा, मुझे आपकी जगह बहुत पसंद आई, ये बहुत सुंदर है, और एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, आखिरी लाइन बहुत अच्छी थी मैम। अभिनेत्री के करियर की बात करें तो उन्होंने 1995 में फिल्म 'बरसात' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था। इसके बाद उन्होंने 'जब प्यार किससे होता है' (1998), 'बादशाह' (1999), और 'लव के लिए कुछ भी करेगा' (2001) जैसी फिल्मों में काम किया।

शादी के बाद फिल्में छोड़ एक अलग करियर को अपनाया। खूब पढ़ाई-लिखाई की। बतौर लेखक खुद को स्थापित किया। हालांकि लिखने से पहले इंटीरियर डिजाइनर के तौर पर भी हाथ आजमाया और मुंबई में अपनी खुद की कंपनी 'द व्हाइट विंडो' शुरू की। साल 2015 में ट्विंकल खन्ना ने अपनी पहली किताब 'मिसेज फनीबोन' जारी की, जो उनके अखबार के मशहूर कॉलम पर आधारित थी। अपनी पहली किताब की सफलता के बाद, ट्विंकल ने 2016 में 'द लिजेंड ऑफ लक्ष्मी प्रसाद' नाम से कई छोटी कहानियों का संग्रह लिखा। फिर 2018 में 'पजामे आर फॉरगिविंग' नाम का एक उपन्यास लिखा, जो रिश्तों, खुद को समझने और ठीक होने की कहानी है। ट्विंकल ने अपनी एक छोटी कहानी को फिल्म 'पैड मैन' (2018) की पटकथा भी बनाई, जिसके लिए उन्हें खूब तारीफ भी मिली थी। आज ट्विंकल खन्ना भारत की सबसे लोकप्रिय लेखिकाओं में से एक हैं, जो अपने लेखन के साथ समाज के मुद्दों पर भी बात करती हैं।

त्वचा की देखभाल के लिए जादुई उत्पाद है स्नेल म्यूसिन, लगाने से मिलेंगे ये मुख्य फायदे

महिलाएं अपनी त्वचा की देखभाल के लिए तरह-तरह के ट्रीटमेंट लेती हैं। ये सभी ट्रीटमेंट या तो रसायन युक्त उत्पादों से किए जाते हैं या इनकी प्रक्रिया जटिल होती है। हालांकि, अगर आप बिना इनका सहारा लिए शीशे जैसी चमकदार त्वचा पाना चाहती हैं तो एक नया उत्पाद आपके काम आ सकता है। हम बात कर रहे हैं स्नेल म्यूसिन की, जो त्वचा की देखभाल की एक विचित्र सामग्री है। आइए इसे लगाने के फायदे जानते हैं।

पहले जानें क्या होता है स्नेल म्यूसिन

स्नेल म्यूसिन दक्षिण कोरिया की महिलाओं के बीच प्रचिलित है। इसके फायदों को देखते हुए यह दुनियाभर में मशहूर हो गया है। यह प्राकृतिक तरल पदार्थ होता है, जो घोंघे के शरीर से निकलता है। यह हायलियूरोनिक एसिड, ग्लाइकोप्रोटीन और पेप्टाइड्स से लैस होता है।

त्वचा होती है मॉइस्चराइज

अगर आपकी त्वचा शुष्क है तो स्नेल म्यूसिन लगाने से आपको फायदा हो सकता है। यह पदार्थ प्राकृतिक रूप से त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद करता है। इसमें पाए जाने वाले हाइड्रेटिंग गुण त्वचा की सुरक्षात्मक परत को बहाल करते हैं। इससे लंबे समय तक नमी को बनाए रखने में सहायता मिलती है। ऐसा इसमें मौजूद हायलियूरोनिक एसिड के कारण होता है, जो गहराई तक हाइड्रेशन प्रदान करके त्वचा को मॉइस्चराइज कर सकता है।

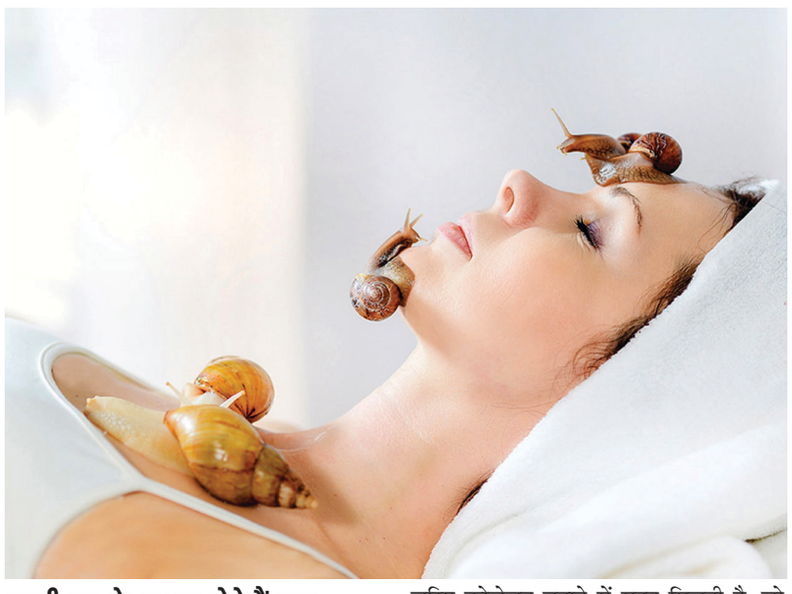

बढ़ती उम्र के लक्षण होते हैं कम

कुछ महिलाओं के चेहरे पर समय से पहले ही बुढ़ापा झलकने लगता है। ऐसी महिलाओं को बढ़ती उम्र के लक्षण कम करने के लिए स्नेल म्यूसिन इस्तेमाल करना चाहिए। इसके जरिए कोलेजन बढ़ाने में मदद मिलती है, जो महीन रेखाओं और झाइयों से छुटकारा दिलाने में सहायक होता है। एक अध्ययन में पाया गया था कि 40 प्रतिशत स्नेल म्यूसिन युक्त सीरम का उपयोग करने से महीन रेखाओं और झुर्रियों का दिखना कम हो जाता है।

दाग-धब्बे होते हैं दूर

स्नेल म्यूसिन के जरिए त्वचा की देखभाल करने से मुंहासों के दाग और अन्य धब्बे भी हल्के हो सकते हैं। इस पदार्थ में ग्लाइकोलिक एसिड और पेप्टाइड्स जैसे तत्व होते हैं, जो अपने एक्सफोलिएटिंग गुणों के लिए जाने जाते हैं। ये त्वचा में प्रवेश करके कालेपन और रंजकता को दूर कर देते हैं। इतना ही नहीं, स्नेल म्यूसिन का उपयोग करने से मुंहासे भी ठीक हो जाते हैं और त्वचा की बनावट भी सुधरती है।

बढ़ता है निखार

कोरियाई महिलाओं जैसी निखरी, चमकदार और बेदाग त्वचा पाना हर किसी का सपना होता है। यह सपना स्नेल म्यूसिन लगाने से सच हो सकता है। यह पदार्थ त्वचा में प्राकृतिक निखार ले आता है और समान रंगत भी प्रदान करता है। इसमें ग्लाइकोलिक एसिड जैसे तत्व होते हैं, जो त्वचा को एक्सफोलिएट करते हैं। इससे कोशिकाओं के नवीनीकरण को बढ़ावा मिलता है और त्वचा में चमक आ जाती है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स भी कालेपन को दूर करते हैं।

डेड बग एक्सरसाइज से जुड़ी इन बातों का रखें ध्यान, मिलेगा अच्छा फायदा

डेड बग एक प्रभावी एक्सरसाइज है, जो न केवल आपके पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाती है, बल्कि आपके पूरे शरीर की स्थिरता को भी बढ़ाती है। यह एक्सरसाइज दिखने में सरल लगती है, लेकिन इसके कई लाभ हैं। इस लेख में हम आपको डेड बग एक्सरसाइज से जुड़ी कुछ जरूरी बातें बताएंगे, जो आपको इसे सही तरीके से करने में मदद करेंगी और इसके सभी फायदों का आनंद लेने में सहायक होंगी।

सही तरीका अपनाएं

डेड बग करते समय सही तरीके का उपयोग करना बहुत जरूरी है। इसके लिए सबसे पहले अपनी पीठ को जमीन पर चिपकाकर रखें और दोनों हाथों को ऊपर की ओर सीधा रखें। अब एक हाथ और विपरीत पैर को धीरे-धीरे ऊपर-नीचे करें, जबकि दूसरा हाथ और पैर स्थिर रखें। इस दौरान ध्यान रखें कि आपकी पीठ जमीन से न उठे ताकि आपकी मांसपेशियां सही तरीके से काम करें और आपको अधिकतम लाभ मिले।

धीरे-धीरे गति बढ़ाएं

शुरुआत में इसे धीरे-धीरे करें और जैसे-जैसे आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी, आपकी गति भी बढ़ती जाएगी। तेजी से करने पर चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है इसलिए हमेशा धीरे-धीरे शुरू करें। इसके अलावा हर सेट के बीच में थोड़ी आराम करें ताकि आपकी मांसपेशियां पूरी तरह से आराम कर सकें। इससे न केवल आपकी सहनशक्ति बढ़ेगी, बल्कि आपको अधिक आरामदायक अनुभव भी मिलेगा और आप इस एक्सरसाइज का पूरा लाभ उठा सकेंगे।

सांसों पर ध्यान दें

डेड बग करते समय अपनी सांसों पर ध्यान

देना बहुत जरूरी है। जब आप अपने हाथ और पैर ऊपर-नीचे करें तो गहरी सांस लें और जब वापस शुरुआती स्थिति में आएं तो सांस छोड़ें। इससे न केवल आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी, बल्कि आपका मानसिक ध्यान भी केंद्रित रहेगा। सही तरीके से सांस लेने और छोड़ने से आपकी एक्सरसाइज अधिक प्रभावी होगी और आप इसे बेहतर तरीके से कर पाएंगे। यह आपकी सहनशक्ति को भी बढ़ाएगा।

नियमितता बनाए रखें

किसी भी एक्सरसाइज का पूरा फायदा उठाने के लिए नियमितता बहुत जरूरी होती है। सप्ताह में कम से कम 3 बार इसे करें ताकि आपके शरीर की सभी मांसपेशियां अच्छी तरह से काम करें और आपको इसके सभी लाभ मिल सकें। नियमित अभ्यास से आपकी सहनशक्ति बढ़ेगी और आप अधिक आरामदायक महसूस करेंगे। इसके अलावा नियमितता से आपको अपने लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलेगी और आप फिट और स्वस्थ रहेंगे।

जिनका व्यक्तित्व और कर्तृत्व उत्कृष्ट है, उन्हें आने वाली पीढ़ी भी याद रखती हैं: केन्द्रीय जनजातीय मंत्री उइके

श्रीकंचनपथ न्यूज

राज्य के 28 जिलों के 138 विकासखंडो में संचालित होगा आदि कर्मयोगी अभियान

रायपुर। केन्द्रीय जनजातीय मामले के मंत्री दुर्गादास उइके ने राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित आदि कर्मयोगियों के लिए राज्य स्तरीय उन्नमुखीकरण एवं जिला मास्टर ट्रेऩर्स के चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। केन्द्रीय मंत्री उइके ने शुभारंभ सत्र को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें केवल स्वहित के लिए ही नहीं, बल्कि परहित और विकास की राह में पीछे छूट गए लोगों के लिए संवेदनशीलता के साथ काम करना चाहिए।

ऐसे लोगों के लिए काम करने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि जिनका व्यक्तित्व और कर्तृत्व उत्कृष्ट होता है, उन्हें आने वाली पीढ़ी याद रखती हैं। जिसके मन में मानवीय संवेदना का चिंतन होता है, वे सबको साथ लेकर चलते है, सबके विकास में सहभागी बनते हैं। उन्होंने कहा कि भोग, भौतिकी, पेट और प्रजनन के साथ ही मानवता के प्रति अपने मूल दायित्वों को भी प्राथमिकता के साथ पूरा करना चाहिए।

केन्द्रीय मंत्री उइके ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि आदि कर्मयोगी को विशेष तौर पर यह ध्यान देना चाहिए कि जनजातीय संस्कृति और परंपरा को कायम रखते हुए उनके उत्पाद को उचित बाजार और अच्छा दाम मिले। इन वर्गों के कल्याण के लिए हम सबको पावन और पवित्र भाव से कार्य करना चाहिए। उन्होंने कार्यशाला में कहा कि वैश्विक भाव रखते हुए हमें विश्व भारती पर चिंतन करने की जरूरत है। साथ ही केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे यह भी ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यदि हम पिछड़े हुए वर्गों के विकास के लिए निच्छल भाव काम करेंगे तो अभियान को सफलता अवश्य मिलेगी।

आदिम जाति, अनुसूचित जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने आदि कर्मयोगी अभियान के प्रशिक्षण कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के परिकल्पना पर आदि कर्मयोगी अभियान प्रारंभ किए गए हैं। यह अभियान विकसित भारत की संकल्पना को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका समाएगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना में छत्तीसगढ़ पीछे न रहे इस उद्देश्य से संवेदनशीलता और समर्पण भाव से जनजातीय वर्गों के विकास में भागीदारी बनने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्पना एवं सोच से जनजातीय वर्गों की समस्याओं के निराकरण का राष्ट्रव्यापी अभियान चल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के ही परिकल्पना से पीएम जनमन एवं धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान संचालित हो रहे है, इससे राज्य के जनजातियों विशेषकर पिछड़े जनजातियों के विकास निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इस अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में भी जनजातीय बाहुल्य गांवों में बुनियादी अधोसंरचना और सुविधाओं में जो भी 'क्रिटिकल गैप' हैं, उनकी पहचान करेंगे।

स्थानीय प्रशासन के माध्यम से इन कमियों को दूर करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। इससे हर ग्राम बुनियादी सुविधाओं से संतृप्त होगा। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आदि कर्मयोगी अभियान को 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 के मध्य जोर-शोर के साथ सेवा पर्व के रूप में संचालित करने का आह्वान किया है।

केन्द्रीय ट्राईफेड के प्रबंध संचालक हृदेश कुमार ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा समर्पण और संकल्प के भाव से आदि कर्मयोगी अभियान को आगे लेकर चलना है। पीएम जनमन एवं धरती आबा, ग्राम उत्कर्ष अभियान की तरह ही इस अभियान की सफलता के लिए समर्पण भाव होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ट्राईफेड की ओर छत्तीसगढ़ में जनजातीय वर्गों के विकास के लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा।

प्रमुख सचिव सोनमणी बोरा ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान जनभागीदारी से सुशासन लाना है। उन्होंने कहा कि सेवा, समर्पण और संकल्प की भावना को आत्मसात करते हुए आजादी के अमृतकाल में वर्ष 2047 तक विकसित भारत की संकल्प को पूरा करने में सबकी सहभागिता जरूरी है। इस अभियान के तहत प्रदेश के 28 जिलों के 138 विकासखंडो में 1 लाख 33 हजार वॉलंटियर्स को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है, जिसे जनभागीदारी और जनजागरूकता के माध्यम से से पूर्ण किया जाना है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि हमें कर्मयोगी बनना है। सबकी सहभागिता से समाज के पिछड़े तबके के विकास के लिए भी हमें संवेदनशीलता के साथ काम करने की जरूरत है। गीता में भी कर्मयोगी, भक्तियोगी की महत्ता प्रतिपादित है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में धरती आबा और पीएम-जनमन जैसे संतृप्तिमूलक अभियानों की भी शुरुआत की गई है।

भारत दिवस परेड 2025 में छत्तीसगढ़ की भव्य प्रस्तुति

सिएटल, टोरंटो और कैलिफोर्निया बे एरिया में छत्तीसगढ़ी संस्कृति और गौरव का प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उत्तर अमेरिका में आयोजित भारत दिवस परेड 2025 में छत्तीसगढ़ ने अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक, औद्योगिक और जनजातीय धरोहर का भव्य प्रदर्शन किया। नाचा के नेतृत्व में सिएटल (वॉशिंगटन), टोरंटो (कनाडा) और कैलिफोर्निया बे एरिया (अमेरिका) में प्रवासी छत्तीसगढ़ी परिवारों ने परंपराओं को जीवंत करते हुए भारत के राष्ट्रीय गौरव को साझा किया।

सिएटल में नमिता खंडेलवाल (अध्यक्ष, नाचा वॉशिंगटन चैप्टर) के नेतृत्व में परेड का आयोजन हुआ। यहाँ छत्तीसगढ़ की औद्योगिक पहचान भिलाई इस्पात संयंत्र और कृषि शक्ति धान का कटोरा झांकी का मुख्य आकर्षण रहे। करमा नृत्य, ढोकरा शिल्प, कोसा सिल्क, तथा पारंपरिक व्यंजन जैसे चावल पापड़ और एरसा ने सभी का मन मोह लिया। नमिता खंडेलवाल ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र से लेकर करमा नृत्य और कोसा सिल्क तक, छत्तीसगढ़ के हर पहलू को प्रस्तुत करना गर्व का क्षण था। टोरंटो में आयोजित परेड का संचालन पंकज अग्रवाल (अध्यक्ष, नाचा कनाडा चैप्टर) ने किया।

यहाँ जनजातीय परंपरा मुख्य थीम रही। पुरुषों ने धोती, कुर्ता, गमछा और गौर मुकुट पहनकर बस्तर की परंपराओं को जीवंत किया, वहीं महिलाओं ने लुगड़ा और पारंपरिक आभूषणों से छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। छत्तीसगढ़ की 30 से अधिक जनजातीय आबादी और एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना का वैश्विक मंच पर शानदार प्रदर्शन किया गया।

बैगा बाहुल्य ग्रामों के पेयजल संकट को दूर करेगी छीरपानी जलाशय आधारित योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा को मूर्त रूप देने और विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा बाहुल्य ग्रामों में वर्षों से चली आ रही पेयजल समस्या को सुलझाने के लिए कबीरधाम जिला प्रशासन ने ठोस कदम उठाए हैं। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने छीरपानी मध्यम जलाशय पर आधारित नई जल प्रदाय योजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इस योजना से दलदली ग्राम सहित 20 से 30 गांवों और बैगा बसाहटों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) को निर्देशित किया कि वे तत्काल स्थल निरीक्षण करें और विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि यह देखा जाए कि कौन-कौन से गांव योजना से जुड़ेंगे और उनकी पेयजल आपूर्ति कैसे सुनिश्चित होगी।

बैठक में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि छीरपानी मध्यम जलाशय में हर साल पर्याप्त जल भराव होता है और इसकी जल आवक भी पर्याप्त है, सिंचाई कार्य के बाद भी पेयजल के लिए आपूर्ति की जा सकती है। यही कारण है कि यहां से दीर्घकालीन पेयजल आपूर्ति संभव है। कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग को भी तकनीकी परीक्षण और व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

दलदली प्रवास से शुरू हुई पहल, मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने तीन से चार माह पहले सुशासन तिहार के अंतर्गत कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड के अंतिम ग्राम दलदली का दौरा किया था। इस दौरान ग्रामीणों ने उन्हें प्रमुखता से पेयजल संकट की समस्या से अवगत कराया। मुख्यमंत्री श्री साय ने तत्काल संज्ञान लेते हुए स्थानीय कनाई नाला से जल प्रदाय योजना की घोषणा की थी।

हालाँकि, जिला प्रशासन और विभागीय टीम द्वारा किए गए निरीक्षण में पाया गया कि कनाई नाला में केवल बरसात के मौसम में ही पानी रहता है। ग्रीष्मकाल में जल प्रवाह लगभग समाप्त हो जाता है, जिससे नियमित और टिकाऊ पेयजल आपूर्ति संभव नहीं है।

यही कारण रहा कि कलेक्टर वर्मा ने मुख्यमंत्री की घोषणा को व्यवहारिक रूप देने और स्थायी समाधान के लिए छीरपानी जलाशय पर आधारित नई योजना बनाने का निर्णय लिया।

इसके साथ ही कलेक्टर ने राज्य शासन के निर्देश पर 15 अगस्त 2025 से 31 मार्च 2026 तक आयोजित होने वाले रजत जयंती वर्ष कार्यक्रमों की रूपरेखा का गहन मूल्यांकन किया और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अजय त्रिपाठी, अपर कलेक्टर श्री नरेन्द्र पैकरा, डिप्टी कलेक्टर सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित थे।

65 ग्रामों के लिए 118.06 करोड़ की योजना प्रस्तावित

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि उपमुख्यंत्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासो से राज्य शासन को कुसुमघटा, बैजलपुर और राजा नवागांव सहित बोड़ला विकासखंड के 65 ग्रामों में पेयजल आपूर्ति के लिए 118.06 करोड़ रुपए की जल प्रदाय योजना प्रस्तावित की गई है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि यह प्रस्ताव वर्तमान में स्वीकृति की अंतिम चरणों में है। इस योजना के लागू होने पर पूरे क्षेत्र के दर्जनों गांवों को राहत मिलेगी। बैठक में कलेक्टर वर्मा ने पेयजल योजनाओं के साथ-साथ जिले की अन्य प्रमुख योजनाओं की भी समीक्षा की।

इनमें प्रमुख रूप से महतारी सदन योजना, प्रधानमंत्री जनमन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और नगर पंचायतों के अधोसंरचना मद से स्वीकृत निर्माण कार्य शामिल थे।

बीटीआई ग्राउण्ड शंकर नगर में लगी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी को मिल रहा शानदार प्रतिसाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शंकर नगर स्थित बीटीआई ग्राउंड में लगी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी को लोगों का उत्साहजनक प्रतिसाद मिल रहा है। प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के उत्कृष्ट बुनकरों, हस्तशिल्पियों, माटी शिल्पियों द्वारा निर्मित उत्पाद जैसे कोसा और काटन की साड़ियां, बेडशीट, ड्रेस मटेरियल, सूट, कॉटन बैग, कोसा शाल, जैकेट, बेलमेटल, काष्ठ-बॉस शिल्प, लौहशिल्प सामग्रियों को खरीदने के लिए प्रतिदिन लोग बड़ी संख्या में यहां पहुंच रहे हैं। हस्तशिल्प और सजावटी सामग्रियां लोगों के आकर्षण का केन्द्र बनी है। घरों सजावट के लिए लोग इन्हें खरीद रहे हैं।

यहां यह उल्लेखनीय है कि ग्रामोद्योग की यह प्रदर्शनी 7 अगस्त राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस के अवसर पर शुरू हुई थी, जो 31 अगस्त तक चलेगी। हाथकरघा विभाग की ओर से इस प्रदर्शनी में विक्रय हेतु उपलब्ध सामग्रियों पर

अधिकतम 60 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। प्रदर्शनी में राज्य के बुनकरों एवं शिल्पकारों द्वारा तैयार विविध उत्पाद प्रदर्शन एवं विक्रय हेतु उपलब्ध कराए गए हैं।

ग्रामोद्योग विभाग के सचिव सह-संचालक श्याम धावड़े ने बताया कि प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचकर अपने पसंद के परिधान और वस्त्रों के साथ-साथ हस्तशिल्प सामग्रियों की खरीदी कर रही हैं। यहां गोदना शिल्प, शीसल शिल्प और हाथकरघा वस्त्रों में कोसा सिल्क, टसर सिल्क, कॉटन के ड्रेस मटेरियल, साडियां, टुपट्टे, चादर, बेडशीट तथा खादी वस्त्रों और ग्रामोद्योग द्वारा निर्मित सामग्रियां ने लोगों को आकर्षित किया है। त्योहारों के सीजन में भारी छूट के साथ यह प्रदर्शनी लोगों के लिए एक सौगात है।

छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा विपणन संघ के सचिव एम.एम. जोशी ने बताया कि ग्रामोद्योग के उत्पादों की प्रदर्शनी में खूब बिक्री हो रही है। लोग यहां लगाए गए विभिन्न स्टॉलों में पहुंचकर किफायती दरों में मिलने वाले पारंपरिक वस्त्र और हस्तशिल्प और सजावटी सामग्रियों को खरीद रहे हैं।

खेलो भारत मिशन के तहत राष्ट्रीय खेल दिवस पर होगा विविध कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस 29 से 31अगस्त तक पूरे देश में खेल और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। खेलो भारत मिशन के अंतर्गत यह आयोजन खेल संस्कृति को जन-जन तक पहुँचाने और ओलंपिक 2036 की तैयारियों को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस संबंध में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी राज्यों के खेल मंत्रियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

राष्ट्रीय स्तर पर सभी स्कूल, कॉलेज और बड़े स्टेडियम में खेल गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। खेल मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि इस खेल महोत्सव के जरिए खेल भावना का संदेश दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सिर्फ खेल भावना को जगाने का प्रयास नहीं, बल्कि भारत को खेल महाशक्ति बनाने की दिशा में ठोस कदम है।

राज्य के सभी जिलों में 29 से 31 अगस्त तक विभिन्न खेलों का आयोजन किया जाएगा। संडे ऑन साईकल अभियान चलाया जाएगा, जिसमें आम नागरिक और खिलाड़ी एक घंटे खेल मैदान या साइकिल गतिविधि में शामिल होंगे। खेल आयोजन के लिए प्रत्येक जिले में एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी। जिला मुख्यालय स्तर पर बड़े आयोजन होंगे, जिनमें जनप्रतिनिधियों और स्थानीय खिलाड़ियों की उपस्थिति रहेगी। समन्वय एवं मॉनिटरिंग के लिए फिट इंडिया पोर्टल पर रिपोर्टिंग की व्यवस्था होगी। खेल कार्यक्रम 29 अगस्त की सुबह 7: 30 बजे हॉकी जादूगर ध्यानचंद जी को श्रद्धांजलि से प्रारंभ होगी। इसके साथ ही शपथ दिलाई जाएगी और खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ होगा।

इसी तरह 30 अगस्त को स्पिरिट ऑफ स्पोर्टस थीम पर सेमिनार और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। भारत ने 2036 ओलंपिक के आयोजन को लेकर भी तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए स्पोर्ट्स फेडरेशन और ओलंपिक एसोसिएशन को सशक्त किया जाएगा। खेलो इंडिया सेंटर को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। वन कॉर्पोरेट वन स्पोर्ट्स मॉडल लागू किया जाएगा। खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक और मजबूत बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के दौरान जल महोत्सव का होगा आयोजनः मंत्री कश्यप

राज्य अलंकरण पुरस्कार में जल संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले होंगे पुरस्कृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण और संवर्धन के प्रति जागरूकता के लिए छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के दौरान जल महोत्सव का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने अरपा महोत्सव, ईब महोत्सव, महानदी महोत्सव और इंद्रावती महोत्सव के आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश आज जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए।

जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि नदियां हमारी सभ्यता और आस्था का केन्द्र रही है, जल महोत्सव से लोगों को प्रकृति संरक्षण के साथ-साथ जल संरक्षण के प्रति भी भावनात्मक तरीके से जोड़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष राज्य अलंकरण पुरस्कार के अंतर्गत जल संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को जल पुरस्कार भी दिया जाएगा।

जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने विभाग के विभिन्न निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की और स्पष्ट निर्देश दिए कि विभागीय कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बैठक में बोधघाट वृहद् परियोजना, इन्द्रावती-महानदी इंटरलिंकिंग परियोजना, शेखरपुर जलाशय एवं डांडपानी जलाशय परियोजना के संबंध में अद्यतन जानकारी ली।

सचिव सुकुमार टोप्पो ने कहा कि निविदाकारों के द्वारा अनियमितता बरतनें पर नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि 4 निविदाकारों को ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया है। उन्होंने प्रशासकीय स्वीकृति के बाद भी तकनीकी स्वीकृति नहीं मिलने के प्रकरणों में जिम्मेदार अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

बैठक में जलाशयों में जलभराव की अद्यतन स्थिति, विगत दो वर्षों से प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त योजनाओं की प्रगति, जल जीवन मिशन, अमृत मिशन 2.0, स्मार्ट मीटर सहित विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर प्रमुख अभियंता श्री इंद्रजीत उईके, मुख्य अभियंता सर्वश्री एस.व्ही. भागवत, प्रसून शर्मा, डी.के. बुम्मेरकर, जे.आर. भगत, आर.आर. सारथी, एस.के. टीकम, शंकर ठाकुर, के. एस. भंडारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम जनमन आवास योजना से पूरा हुआ सपना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड की ग्राम पंचायत पंड्रापाठ के निवासी पहारू राम वर्षों से कच्चे मकान में रह रहे थे। बरसात में टपकती छत, सर्दियों की ठिठुरन और गर्मियों की तपन उनके परिवार के लिए हमेशा की मजबूरी रही। सीमित संसाधनों के कारण पक्का मकान बनाना उनके लिए केवल एक सपना बनकर रह गया था।

वर्ष 2023-24 में उन्हें प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत आवास की स्वीकृति मिली। समय पर राशि और सामग्री उपलब्ध होने से उनका मकान बनकर तैयार हुआ और आज वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित पक्के घर में रह रहे हैं।

पहारू राम भावुक होकर कहते हैं कि नए घर ने मुझे जीवन की सबसे बड़ी खुशी दी है। अब मेरा परिवार मौसम की मार से सुरक्षित है। यह घर हमारे लिए सुरक्षा और सम्मान की नई पहचान है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्र नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभारी हूँ। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद परिवारों को पक्का और सुरक्षित घर उपलब्ध कराना है।

इस योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को आर्थिक सहायता दी जाती है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

30 लाख की चोरी, आरोपी गिरफ्तार

मुंगेली। जिले की पुलिस ने ऑपरेशन बाज के तहत पृथ्वीग्रीन कॉलोनी में हुई 30 लाख की चोरी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मंजीत दिवाकर के रूप में हुई है। वह दरूवनकापा, थाना सरगांव, जिला मुंगेली का रहने वाला है। घटना बीते 27 जुलाई की है। प्रार्थी आयुष राम की पत्नी किरण राम जिला अस्पताल मुंगेली में स्टाफ नर्स हैं। वे पृथ्वीग्रीन कॉलोनी फेस-1 में किराए के मकान में रहते हैं। रात 8 बजे परिवार जिला अस्पताल गया था। अगली सुबह 8:15 बजे जब वे घर लौटे, तो कमरे का ताला टूटा मिला। चोरों ने आलमारी से मकान बनाने के लिए रखे 24.5 लाख रुपये और सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए। कुल चोरी का मूल्य 29 लाख 80 हजार रुपये था। पुलिस ने इस मामले में 4 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले के दो आरोपी फरार चल रहे थे। जिसमें पुलिस ने 19 अगस्त को मंजीत को गिरफ्तार किया।आरोपी से 35 हजार रुपये की एक सोने की अंगूठी और 35 हजार रुपये नकद बरामद किए गए। घटना के समय पहनी गई टी-शर्ट भी जब्त की गई। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

पार्ट टाइम नौकरी के चक्कर में 2 लाख गंवा बैठा युवक

बिलासपुर। पार्ट टाइम नौकरी दिलाने के नाम पर युवक के साथ 2,00,000 रुपए से अधिक की ऑनलाइन ठगी हुई है। ठगी का एहसास होने पर युवक ने थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। जानकारी के मुताबिक, यह पूरा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। आरोपी ने युवक को पार्ट टाइम नौकरी के संबंध में झूठी जानकारी दी और घर बैठे पैसे कमाने का लालच दिखाया।

जॉइनिंग के बाद पीड़ित को कुछ रकम देकर अपने जाल में फंसाते हुए। इसके बाद उसे पैसे जमा कराने के लिए कहा गया, पीड़ित ने अलग-अलग किश्तों में ऑनलाइन रकम ट्रांसफर कर दिया। कुल 2 लाख 37 हजार रुपए युवक ने आरोपी के बताए गए अकाउंट में ऑनलाइन ट्रांसफर किए गए। लेकिन जब युवक को पैसे वापस नहीं मिले तब उसे ठगी होने का एहसास हुआ। पीड़ित युवक ने सिविल लाइन थाने पहुंचकर ठगी की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डायरिया से 2 की मौत, 12 लोग भी चपेट में

कोरबा। जिले में डायरिया का प्रकोप बढ़ते जा रहा है। अब तक 2 लोगों की जान जा चुकी है। जबकि 12 से अधिक लोग बीमार हैं। यह मामला पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के ग्राम पाली का है। जानकारी के मुताबिक, संपत्त सिंह (60) को समय पर इलाज नहीं मिलने से 24 घंटे के भीतर ही उनकी मौत हो गई। जबकि रविवार को बाबू लाल गोड़ की जान चली गई। दोनों दर्री पारा मोहल्ले के रहने वाले थे।

जबकि इस मोहल्ले में रहने वाले गनपत, सुकरिया बाई, राम लाल देवशनिया, मान सिंह, नीरा बाई सोहन, पार्वती, सावित्री, राजु, हिरमतिया ज्ञान सिंह, काजल रूप सिंह और तिलेश्वर बीमार हैं। सभी का पोड़ी उपरोड़ा में इलाज चल रहा है। 260 की आबादी वाले दर्री पारा में स्थिति गंभीर है। यहां के प्राथमिक विद्यालय में 32 छात्रों में से केवल 5 बच्चे ही आ रहे हैं। प्रधान पाठक जय कुंवर ने इस कमी की पुष्टि की है। पाली उप स्वास्थ्य केंद्र के आरएचओ आनंद कुमार सोरठे ने बताया कि करीब एक दर्जन मरीजों को पोड़ी उपरोड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भेजा गया है। मृतक संपत्त सिंह के परिवार ने शासन से आर्थिक सहायता की मांग की है। स्थिति इतनी विकट है कि अभी तक क्रिया-कर्म भी नहीं किया जा सका है।

भिलाई के स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय के कैंटीन में गैस रिसाव से लगी आग, बड़ा हादसा टला

श्रीकंचनपथ

भिलाई। छत्तीसगढ़ के भिलाई स्थित स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (SVT) में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब कैंटीन में अचानक आग लग गई। यह घटना विश्वविद्यालय परिसर के विश्वेश्वरैया भवन, जिसे यूटिलिटी बिल्डिंग भी कहा जाता है, में हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कैंटीन में इस्तेमाल हो रहे गैस सिलेंडर से गैस रिसाव (लीकेज) होने के कारण आग भड़की। हालांकि, पुलिस और दमकल विभाग की तत्परता से बड़ा हादसा होने से टल गया।

सूत्रों के अनुसार, कैंटीन में खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर से रिसाव होने लगा। कुछ ही देर में वहां आग की लपटें उठने लगीं और कैंटीन धुएं से भर गया। कैंटीन कर्मचारी और वहां मौजूद लोग जैसे-तैसे बाहर निकले। घटना की सूचना तुरंत विश्वविद्यालय प्रशासन और स्थानीय पुलिस को दी गई। थोड़ी ही देर में

दमकल की गाड़ियां और पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पा लिया गया।

समय रहते ब्लॉक खाली कराया गया

घटना के समय विश्वेश्वरैया भवन के क्लासरूम में करीब 200 से अधिक इंजीनियरिंग छात्र मौजूद थे। आग की खबर मिलते ही विश्वविद्यालय प्रशासन ने तुरंत सभी छात्रों और कर्मचारियों को सुरक्षित स्थान पर जाने के निर्देश दिए। ब्लॉक को खाली कराने में शिक्षकों और सुरक्षाकर्मियों ने मदद की। समय पर सतर्कता बरतने से कोई बड़ा हादसा होने से टल गया। महिला कर्मचारी बेहोश, अस्पताल भेजा गया आगजनी के दौरान कैंटीन में काम कर रही एक महिला कर्मचारी बेहोश हो गईं। बताया जा रहा है कि धुएं और घबराहट की वजह से उनकी तबीयत बिगड़ी। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। डॉक्टरों के अनुसार फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर है।

दमकल विभाग व पुलिस की कार्रवाई

मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने तुरंत आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। कुछ ही देर की मशक्कत के बाद आग नियंत्रित कर ली गई। पुलिस ने भी पूरे भवन को सील कर दिया और वहां मौजूद सिलेंडरों और अन्य सामान को बाहर निकलवाया। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार यह आग सिलेंडर लीकेज के कारण लगी। हालांकि, विस्तृत जांच की जा रही है।

दहशत, प्रशासन ने दिए निर्देश

अचानक लगी आग से छात्र काफी सहम गए। कई छात्र कैंपस से बाहर निकल आए और अपने परिवारजनों को फोन कर स्थिति की जानकारी दी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बयान जारी करते हुए कहा कि सभी छात्र और कर्मचारी सुरक्षित हैं। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए हैं कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, कैंटीन को बंद रखा जाएगा और छात्रों को अन्य स्थानों पर खानपान की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

बड़ी दुर्घटना से बचाव

विश्वविद्यालय परिसर में आगजनी की यह घटना बड़ी दुर्घटना में बदल सकती थी, क्योंकि आग लगने के समय भवन में काफी संख्या में छात्र मौजूद थे। अगर समय रहते ब्लॉक खाली न कराया जाता और दमकल विभाग तुरंत मौके पर न पहुंचता तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। मौके पर मौजूद छात्रों ने भी बताया कि आग लगने के बाद धुएं के कारण घबराहट बढ़ गई थी, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और सबको सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

पुलिस की तत्परता से ट्रेलर लूटकांड के 7 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ

रायगढ़। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल के कुशल मार्गदर्शन में तमनार पुलिस ने ट्रेलर लूटपाट की घटना का महज़ 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से चार ट्रेलर वाहन, एक कार और मोबाइल फोन समेत कुल डेढ करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है। प्रकरण में प्रार्थी संजय पटेल निवासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसने मई 2025 में एसबीआई कोरबा शाखा से ऑक्शन में चार ट्रेलर वाहन CG 12 BQ 0369, CG 12 BQ 0371, CG 12 BQ 0372, CG 12 BQ 0373 खरीदे थे, जो वर्तमान में सुगोई ट्रांसपोर्ट में परिचालित थे। 18 अगस्त की रात ट्रेलर क्रमांक CG 12 BQ 0371 को अज्ञात बदमाशों ने तमनार क्षेत्र के हुकराडीपा के पास से लूट लिया और चालक एमडी जुबेर व अन्य ड्राइवरों के साथ मारपीट कर उनके मोबाइल भी छीन लिए। जांच में पाया गया कि घटना का मुख्य षड्यंत्रकारी पूर्व वाहन स्वामी अमन गोस्वामी ही था, थाना तमनार में आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 170/2025 धारा 309(4),309(6) BNS के तहत अपराध कायम कर आरोपियों की धरपकड़ में जुट गई ।

पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने

टीआई कमला पुसाम के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर तत्काल जिले में नाकेबंदी कर आरोपियों की तलाश शुरू की और ओडिशा तक दबिश दी। कार्रवाई के दौरान ओड़िशा हमीरपुर स्थित पेट्रोल पंप के पास खेत में छिपाए गए चारों ट्रेलर बरामद कर लिये गए। पुलिस की दबिश में अमन गोस्वामी सहित 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी स्विफ्ट कार और कैम्पर वाहन में सवार होकर आए थे और सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया था। आरोपियों की संख्या 5 से अधिक होने पर धारा 310 (2) BNS जोड़ी गई है।

आरोपियों के मेमोरेन्डम पर चार ट्रेलर वाहन कीमत 1.5 करोड़ रुपये, चार मोबाइल कीमत 24 हजार रुपये और एक स्विफ्ट कार कीमत 6 लाख रुपये सहित कुल 1 करोड़ 56 लाख 24 हजार रुपये की संपत्ति बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपी अमन गोस्वामी पिता नारद गोस्वामी, 28 वर्ष, निवासी कुसमुण्डा गेवरा बस्ती, कोरबा, नारद गोस्वामी पिता स्व. शंकर गोस्वामी, 57 वर्ष, निवासी कुसमुण्डा गेवरा बस्ती, कोरबा, जितेन्द्र गिरी पिता आनंद गिरी, 38 वर्ष, निवासी बाजीपाली, जिला सुंदरगढ़ (ओडिशा), मनीष प्रकाश केंवट पिता ओमप्रकाश केंवट, 28 वर्ष, निवासी शिलादेही, जिला जांजगीर-चांपा, लेखराम केंवट पिता छेदीलाल केंवट, 24 वर्ष, निवासी केशला, जिला जांजगीर-चांपा, रामरतन पटेल पिता मोनोलाल पटेल, 27 वर्ष, निवासी मोहाडीह, जिला जांजगीर-चांपा, कुंजराम पटेल पिता मकरम पटेल, 30 वर्ष, निवासी शिलादेही, जिला जांजगीर-चांपा दो अन्य फरार बरामद संपत्ति चार ट्रेलर वाहन (1,50,00,000 रुपये), चार मोबाइल फोन (24,000 रुपये), एक स्विफ्ट डिजायर कार CG 12 AP 1298 (6,00,000 रुपये), कुल मूल्य 1,56,24,000 रुपये।

सोना चुराकर भाग रहा चोर, ट्रेन में पकड़ाया

श्रीकंचनपथ

बिलासपुर। हावड़ा से करीब 27 लाख 50 हजार रुपए का सोना चोरी कर ट्रेन के जरिए फरार हो रहे एक युवक को गोंदिया रेलवे स्टेशन पर RPF की टीम ने धर दबोचा। आरोपी के पास से चुराए गए सोने बरामद कर लिए गए हैं। वह अहमदाबाद एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 12834) के बी-7 कोच में यात्रा कर रहा था।

दरअसल, रेलवे कंट्रोल रूम को रविवार को सूचना मिली थी कि एक युवक हावड़ा से भारी मात्रा में सोना चोरी कर अहमदाबाद एक्सप्रेस से फरार हो गया है। सूचना मिलते ही सीआईबी गोंदिया और मंडल टास्क टीम अलर्ट हो गई। जैसे ही ट्रेन गोंदिया स्टेशन पर पहुंची, टीम ने बी-7 कोच में जांच अभियान चलाया।

इसी दौरान एक संदिग्ध युवक से पूछताछ की गई, जिसने अपना नाम अतुल जाधव (24) बताया। उसने बताया कि वह नैहाटी, हावड़ा में सोने की कारीगरी करता है और नागपुर जा रहा है। जब उससे सोने के बारे में पूछताछ की गई, तो

उसने कुछ सोने के टुकड़े दिखाए। जांच में पाया गया कि उसके पास मौजूद धातु सोना ही है। स्थानीय ज्वेलर्स की ओर से किए गए परीक्षण में सोना का कुल वजन 275.930 ग्राम निकला, जिसकी बाजार कीमत करीब 27 लाख 50 हजार रुपए आंकी गई है। आरपीएफ ने युवक को और जब्त की गई संपत्ति को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पश्चिम बंगाल पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है।

स्कूटी सवार बुजुर्ग को ट्रक ने लिया चपेट में, मौत

महासमुंद। नेशनल हाइवे पर तुमगांव ओवर ब्रिज के पास सुबह हुए सड़क हादसे में ट्रक की ठोकर से स्कूटी सवार बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में लेकर ट्रक को जब्त कर लिया है। जानकारी के अनुसार, नयापारा, वार्ड नं 7 निवासी 72 वर्षीय मारुति राव स्कूटी से सब्जी खरीदने बाजार पहुंचे थे। वापसी के दौरान जैसे ही बाजार से सड़क पर आए बागबहरा की तरफ से आ रहे ट्रक ने चपेट में ले लिया। दुर्घटना में मारुति राव की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मृतक को जिला अस्पताल भेजा। वहीं ट्रक चालक को हिरासत में लेने के साथ ट्रक को जब्त कर लिया है।

ऑपरेशन बाजः नशे के सौदागरों का पुलिस ने निकाला जुलूस, 8 तस्कर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ

मुंगेली। जिले में नशे के कारोबार पर नकेल कसने पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (भा।पु।से।) के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन बाज के तहत सोमवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। गांजा, ब्राउन शुगर और अन्य मादक पदार्थों की तस्करी एवं सेवन में लिप्त आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। पुलिस ने सभी आरोपियों का शहर में जुलूस भी निकाला, जिसमें तस्करों से खुद नारे लगवाए गए। हम हैं नशे के सौदागर, हमसे बचिए और अपने बच्चों को भी बचाइए।

ब्राउन शुगर और गांजा तस्करों पर शिकंजा पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने बताया कि जिले में नशे के अवैध कारोबार और युवाओं को लत में धकेलने वाले तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर छाबड़ा, एसडीओपी मयंक तिवारी, डीएसपी एस.आर. घृतलहरे और

डीएसपी नवनीत पाटिल के पर्यवेक्षण में विशेष पुलिस टीम गठित की गई थी। दिनांक 18 अगस्त को थाना सिटी कोतवाली, थाना जरहागांव और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने कई इलाकों में दबिश देकर आठ आरोपियों को पकड़ा। इनमें मुंगेली शहर और जरहागांव क्षेत्र के कुख्यात तस्कर शामिल हैं।

गिरफ्तार आरोपी जाकिर खान, निवासी दाउपारा चौक मुंगेली सोनू डांडे उर्फ छोटे सोनू, निवासी वार्ड 17 केशवपुर मुंगेली अनिल कुमार खरसायन उर्फ बड़े सोनू, निवासी वार्ड 17 केशवपुर मुंगेली विष्णु वैष्णव उर्फ शिव बाबा, निवासी खर्रीपारा मुंगेली किशोर ध्रुव, निवासी झझपुरी खुर्द जरहागांव अमित साहू, निवासी झझपुरी खुर्द जरहागांव (अन्य दो आरोपियों के नाम पुलिस ने गोपनीय रखा है।) पुलिस पूछताछ में सामने आया कि ये सभी आरोपी लंबे समय से गांजा, ब्राउन शुगर, नाइट्रा, शराब और अन्य मादक पदार्थों की बिक्री कर युवाओं को नशे की लत में धकेल रहे थे। आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे बाहर के राज्यों से ब्राउन शुगर मंगाकर जिले में बेचते थे।

जुलूस निकालकर दिया कड़ा संदेश

गिरफ्तार आरोपियों का शहरभर में पैदल जुलूस निकाला गया। इस दौरान आरोपियों से ही नशे के खिलाफ नारे लगवाए गए। पुलिस ने बताया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य सिर्फ आरोपियों को जेल भेजना नहीं है, बल्कि समाज और युवाओं को यह संदेश देना है कि नशा कारोबारियों के लिए जिले में कोई जगह नहीं है।

पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने जिलेवासियों से अपील की कि नशे की तस्करी और सेवन करने वालों की जानकारी गोपनीय रूप से दें। इसके लिए राष्ट्रीय नशा मुक्ति हेल्पलाइन नंबर 1933 पर कॉल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों का सहयोग मिलने पर नशे का कारोबार जड़ से खत्म किया जा सकता है।

चल रहा है जागरूकता अभियान

एसपी ने बताया कि जिले में पहल अभियान के तहत नशामुक्ति और जागरूकता कार्यक्रम लगातार चलाए जा रहे हैं। स्कूल-कॉलेजों में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई जा रही है, वहीं गांव-गांव चलित थाना लगाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। कार्रवाई में पुलिस की भूमिका इस पूरे ऑपरेशन में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली उप निरीक्षक गिरजाशंकर यादव, उपनिरीक्षक सुशील बंछोर (साइबर सेल प्रभारी), थाना प्रभारी जरहागांव उपनिरीक्षक नंदलाल पैकरा, थाना स्टाफ और साइबर सेल टीम की अहम भूमिका रही। मुंगेली पुलिस की यह कार्रवाई पूरे जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस का मानना है कि तस्करों के जुलूस और जेल भेजने से समाज में डर पैदा होगा और युवा नशे की चपेट में आने से बचेंगे।

ऑपरेशन आघातः घर की बाड़ी में गांजा उगाने वाला गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ

जशपुर। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन आघात के तहत पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। चौकी पंडरापाठ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को उसके घर की बाड़ी में अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा उगाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम धनुषधारी यादव बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (ह्ष्ठक्कस् ष्ह्) की धारा 20(ए) के तहत अपराध दर्ज

किया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपी अपने घर की बाड़ी में गांजा के पौधे उगा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर दबिश दी। छापेमारी के दौरान घर की बाड़ी से गांजा के पौधे मिले, जिनका कुल वजन 2 किलो 40 ग्राम बताया जा रहा है। पुलिस ने मौके से बरामद गांजा पौधों को जब्त कर लिया। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले से किसी प्रकार की आपराधिक गतिविधि की जानकारी नहीं मिली है, लेकिन इस मामले की गहन जांच की जा रही है। यह भी पता लगाया जाएगा कि आरोपी गांजा की खेती स्वयं करता था या फिर किसी बड़े नेटवर्क से जुड़ा हुआ है।

जशपुर जिले में लगातार नशे के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ऑपरेशन आघात के तहत किसी भी प्रकार की मादक पदार्थों की खेती, तस्करी या खपत करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले के युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना और समाज को नशा मुक्त बनाना है। गिरफ्तार आरोपी धनुषधारी यादव को कार्रवाई पूरी करने के बाद जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने अपील की है कि यदि किसी को भी नशे से संबंधित कोई गतिविधि या खेती की जानकारी मिलती है तो वह तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दें।

पिकनिक स्पॉट के पास मिला शव, शिनाख्त में जुटी पुलिस

कोरबा। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के नकटीखार गांव स्थित पिकनिक स्पॉट के पास मंगलवार की देर शाम एक अज्ञात युवक का शव मिला। पिकनिक स्पॉट पर आए लोगों ने शव देखा और पुलिस को सूचना दी। मृतक की उम्र 30 से 35 साल के बीच आंकी गई है। घटनास्थल पर न तो कोई बाइक मिली और न ही अन्य कोई वाहन मिला, जिससे मृतक की पहचान की जा सके। सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम को बुलाया गया। सीएसपी भूषण एक्का के अनुसार, युवक की पहचान के लिए वॉट्सऐप ग्रुप पर सूचना भेजी गई है। साथ ही आसपास के गांवों में कोटवार के माध्यम से मुनादी कराई जा रही है। प्रारंभिक जांच के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। पुलिस मामले को संदिग्ध मानकर जांच कर रही है। मृतक की पहचान होने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षो से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

लंबित राजस्व मामलों पर मुख्यमंत्री साय सख्त, बैठक में बोले-

नहीं चलेगी 'पेशी पर पेशी', कलेक्टर व संभागायुक्तों को निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नया रायपुर स्थित महानदी भवन मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के कलेक्टर्स की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने राज्य के सभी जिलों में विकास योजनाओं की जमीनी हकीकत की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को कई जरूरी दिशा-निर्देश दिए। राज्य में बढ़ते लंबित राजस्व प्रकरणों पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सख्त रुख अपनाते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के कलेक्टर्स को स्पष्ट निर्देश दिए कि अब पेशी पर पेशी का दौर खत्म हो— सभी राजस्व प्रकरणों का निराकरण शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर ही किया जाए। मुख्यमंत्री साय ने जिलेवार समीक्षा करते हुए नामांतरण, अविवादित व विवादित बंटवारे, अभिलेख दुरूस्ती, त्रुटि सुधार, भू-अर्जन, सीमांकन, और डायवर्सन से संबंधित प्रकरणों की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली।

हितग्राहियों को नहीं हो अनावश्यक परेशानी

मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि बार-बार पेशी पर बुलाने से जनता को न केवल आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि उनका समय और श्रम भी व्यर्थ जाता है। इससे सरकारी सिस्टम के प्रति लोगों का भरोसा भी कम होता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पेशियों में कमी लाएं और प्रकरणों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें।

रजत महोत्सव की जोरदार तैयारियां, 25 वर्षों की विकास यात्रा होगी प्रदर्शित

छत्तीसगढ़ के निर्माण की 25वीं वर्षगांठ को यादगार बनाने के लिए 15 अगस्त से रजत महोत्सव की शुरुआत हुई है, जो 25 सप्ताह तक चलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में आयोजन कर रजत महोत्सव को जनभागीदारी का उत्सव बनाएं। कार्यक्रमों का विवरण पोर्टल पर अपलोड किया जाए और प्रचार-प्रसार को गति दी जाए।

ई-कोर्ट में दर्ज हों सभी मामले

मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह ने निर्देश दिए कि सभी राजस्व प्रकरणों को ई-कोर्ट में दर्ज किया जाए, जिससे उनकी मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग आसान हो सके। साथ ही रिकॉर्ड दुरुस्तीकरण और त्रुटि सुधार के मामलों पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया। तहसील स्तर पर पटवारियों के माध्यम से एक विशेष अभियान चलाकर रिकॉर्ड को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

सेवा पखवाड़ा से जुड़ेगा रजत महोत्सव

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक राज्य में 'सेवा पखवाड़ा' मनाया जाएगा जो छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव का हिस्सा होगा। इस दौरान रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य कैंप, राजस्व कैम्प जैसे जनसेवा के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस अवसर को राज्य के हर नागरिक से जोड़कर जनसंपर्क को और मजबूत किया जाए।

भू-अर्जन प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्गों की परियोजनाओं पर खास जोर देते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों और भारतमाला परियोजना की तीव्र और निर्बाध गति के लिए भू-अर्जन की प्रक्रिया जरूरी है।उन्होंने कलेक्टरों को निर्देशित किया कि भू-अर्जन और मुआवजा वितरण के लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा करें। साथ ही बस्तर संभाग के नारायणपुर, दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर में सड़क, रेल और मोबाइल टॉवर जैसी परियोजनाओं के लिए भू-अर्जन और मुआवजा वितरण कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

सख्ती के साथ सुधार की पहल

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार अब राजस्व प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। एक जिम्मेदार शासन प्रणाली का निर्माण तभी संभव है जब जनता के साथ न्याय समय पर हो। इसलिए प्रत्येक अधिकारी सुनिश्चित करें कि प्रकरणों का निपटारा देरी के बिना, न्यायसंगत ढंग से हो। मुख्यमंत्री ने किसान पंजीयन की प्रक्रिया में भी तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि शीघ्र ही सभी पात्र किसानों का पंजीयन पूरा किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को डिजिटल फसल सर्वे को गंभीरता से लेने और समय पर पूर्ण करने को कहा।

समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, पी दयानंद, वित्त सचिव मुकेश बंसल, पीसीसीएफ सुनील मिश्रा, लोक निर्माण विभाग के सचिव कमलप्रीत सिंह, राजस्व विभाग की सचिव रीना बाबासाहेब कंगाले, , संस्कृति विभाग के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य के साथ अन्य विभागों के सचिव, आयुक्त एवं संचालक उपस्थित थे।

प्रदेश में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के उन्नयन के लिए सरकार प्रतिबद्ध- मुख्यमंत्री साय

अम्बिकापुर में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल और धरमजयगढ़ में 100 बिस्तर अस्पताल स्थापित करेगा अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

- स्वास्थ्य विभाग और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के मध्य एमओयू सम्पादित
- बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिए स्कॉलरशिप और 2500 शिशुगृह संचालित करने फाउंडेशन की योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ में शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के विषय में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के पदाधिकारियों और विभागीय अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के उन्नयन के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इस दिशा सरकार द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत निजी क्षेत्र की सहभागिता से सरकार के कार्यों को बल मिलेगा। बैठक में राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए स्वास्थ्य विभाग और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के मध्य एमओयू सम्पादित किया गया।

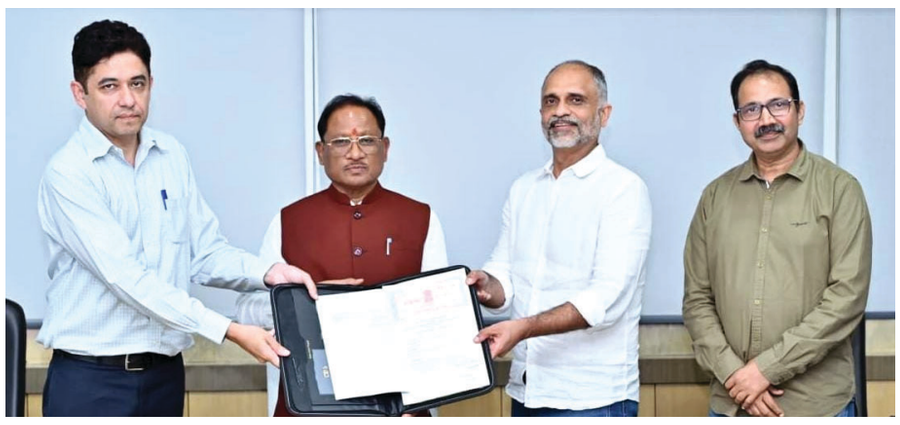

बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय को अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने फाउंडेशन द्वारा छत्तीसगढ़ में शिक्षा,स्वास्थ्य, क्रेच (शिशुगृह), आजीविका विकास सहित अन्य क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों के विषय में पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन द्वारा विस्तार से जानकारी दी। मुख्यमंत्री को अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुराग बेहार ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा विगत 15 वर्षों से छत्तीसगढ़ में समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश के 9 जिलों में फाउंडेशन द्वारा विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री को अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ में फाउंडेशन की भविष्य की कार्ययोजना से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा अम्बिकापुर में 200-300 बिस्तर का सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल और धर्मजयगढ़ में 100 बिस्तर का सर्व सुविधायुक्त अस्पताल की योजना है। इन अस्पतालों में अस्सी प्रतिशत प्रतिशत मरीजों को पूर्णत: नि:शुल्क इलाज की सुविधा प्रदान की जाएगी, जिसका सीधा लाभ आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों को मिलेगा। मुख्यमंत्री साय को फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा छत्तीसगढ़ में शासकीय विद्यालयों से दसवीं और बारहवीं की पढ़ाई करने वाली 20 हजार बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिए स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। इसके तहत बालिकाओं की ट्यूशन फीस के साथ अन्य खर्चों के लिए प्रतिवर्ष 30 हजार रुपये की राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने फाउंडेशन द्वारा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने स्कॉलरशिप देने की योजना की सराहना की।

बैठक में मुख्यमंत्री साय को फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा प्रदेश के बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिक्षकों के प्रशिक्षण सहित अन्य महत्वपूर्ण कार्य संस्थागत रूप से किये जा रहे हैं। इसी क्रम में 6 महीने से 3 साल तक के छोटे बच्चों के लिए राज्य में 400 क्रश (शिशुगृह) संचालित हैं। सभी क्रश में बच्चों को दिन में 3 बार भोजन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। फाउंडेशन की योजना प्रदेश में क्रेच की संख्या को बढ़ाकर 2500 से 3000 क्रेच तक करने की है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देशभर में वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में हुई उल्लेखनीय प्रगति : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर स्थित इंद्रावती भवन परिसर में पंजाब नेशनल बैंक की नई शाखा, एटीएम और डिपॉजिट मशीन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने विभागाध्यक्ष कार्यालय इंद्रावती भवन के कर्मचारियों, नवा रायपुर के आसपास निवासरत नागरिकों तथा बैंक के अधिकारियों-कर्मचारियों को शुभकामनाएँ दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पहले योजनाओं की राशि का वितरण नगद रूप में किया जाता था, जिससे लीकेज की समस्या बनी रहती थी, लेकिन अब बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से हितग्राहियों तक राशि सीधे और पारदर्शी तरीके से पहुँच रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर क्षेत्र में शांति स्थापना के साथ-साथ बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार भी तीव्र गति से हो रहा है। सरगुजा और बस्तर अंचल के दूरस्थ गाँवों में बैंक शाखाओं की स्थापना से सरकार का अंतिम व्यक्ति तक बैंकिंग सुविधा पहुँचाने का संकल्प साकार हो रहा है। वित्त मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में गुड गवर्नेंस की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने सरकार दृढ़संकल्पित: सीएम साय

मुख्यमंत्री साय ने अत्याधुनिक ओ-एआरएम विथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नेविगेशन मशीन का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित श्री नारायणा हॉस्पिटल में स्पाइन चिकित्सा हेतु अत्याधुनिक ओ-एआरएम विथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नेविगेशन मशीन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मात्र 20 माह के इस अल्प समय में राज्य सरकार ने गांव से लेकर शहरों तक स्वास्थ्य क्षेत्र की बुनियादी व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर दिया है। इसका परिणाम है कि हमारे स्वास्थ्य केंद्रों को लगातार उच्च स्तरीय गुणवत्ता प्रमाण पत्र प्राप्त हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायगढ़ जिले के धर्मजयगढ़ एवं अंबिकापुर में 100-100 बिस्तरों वाले नए अस्पतालों की स्थापना हेतु देश की प्रतिष्ठित संस्था अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के साथ एमओयू किया गया है। आम जनता को सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए शासन लगातार प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 5 लाख रुपये तक की नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। पहले ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए किसानों को खेत बेचने और कर्ज लेने की स्थिति आ जाती थी, परंतु आज आयुष्मान कार्ड के माध्यम से बड़े से बड़े अस्पताल से लेकर छोटे अस्पताल तक में नि:शुल्क इलाज संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए वेलनेस सेंटरों के संचालन और जेनरिक दवाइयों की उपलब्धता बढ़ाने पर विशेष जोर दे रहे हैं, ताकि लोगों को अधिक खर्च न उठाना पड़े। मुख्यमंत्री साय ने अत्याधुनिक ओ-एआरएम विथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नेविगेशन मशीन की स्थापना के लिए श्री नारायणा हॉस्पिटल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि निश्चित ही इसका लाभ केवल छत्तीसगढ़ के मरीजों को ही नहीं, बल्कि आसपास के राज्यों से उपचार हेतु आने वाले मरीजों को भी मिलेगा। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया और श्री नारायणा हॉस्पिटल में शुभारंभ हुई इस अत्याधुनिक मशीन के लिए पूरी टीम को बधाई दी।

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा, विधायक किरण देव, मोती लाल साहू, रायपुर महापौर मीनल चौबे, वरिष्ठ डॉक्टर डॉ. सुब्बीर मुखर्जी, नारायणा हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. सुनील खेमका सहित हॉस्पिटल समूह के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

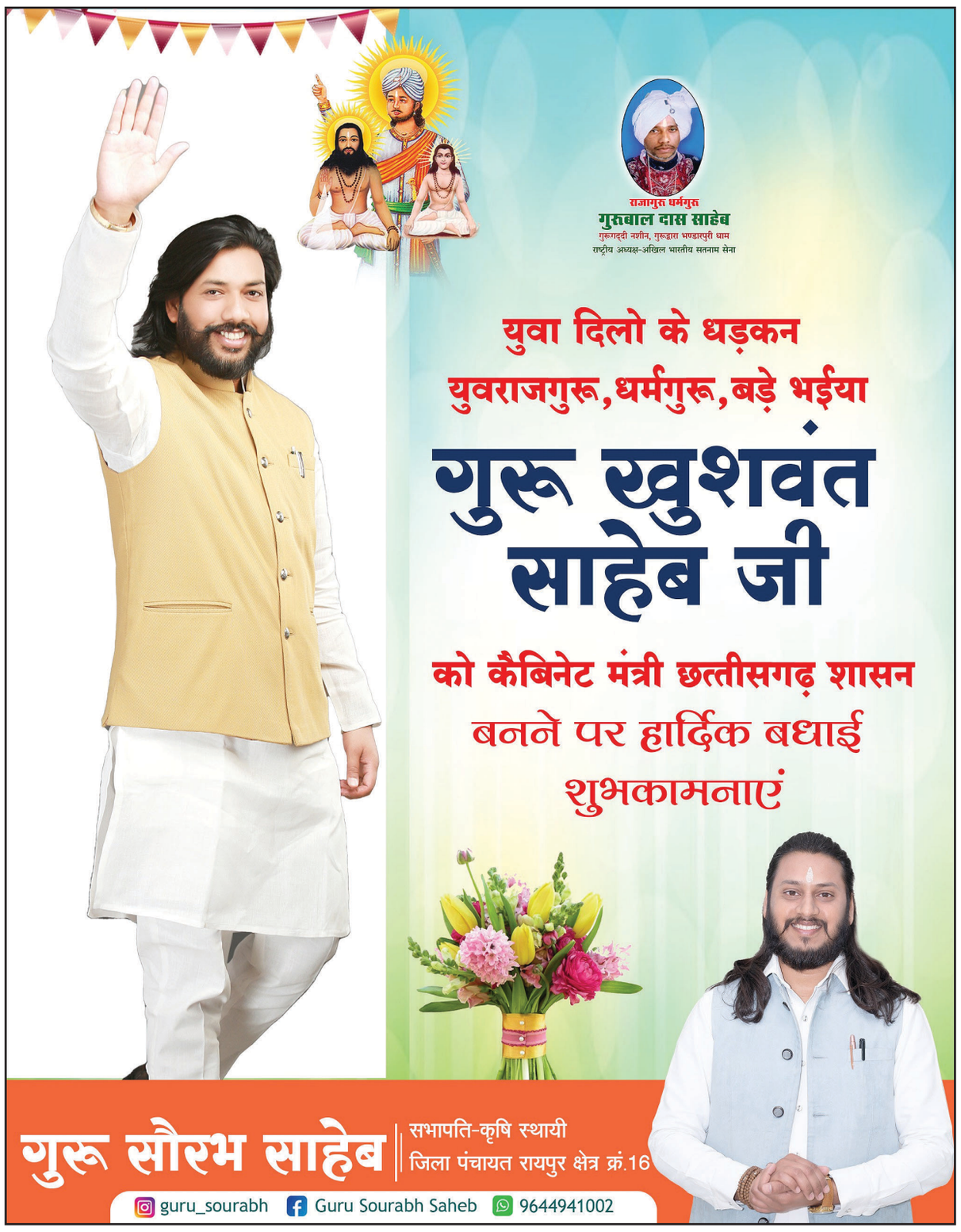

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950